राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 रियान पराग पर 12 लाख रुपए का जुर्माना | सम्पादकीय | जल संरक्षण का संदेश, 1100 करोड़... | 22 बिलियन डॉलर से जीरो तक गिरी बायजूस 5

वर्ष 12 अंक 33 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, मंगलवार 01 अप्रैल 2025 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

केन्द्र की शिक्षा नीति से व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता बढ़ेगी - सोनिया गांधी

केंद्र सरकार शिक्षा के प्रति उदासीन

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आलोचना की है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू के एक आर्टिकल में सोनिया गांधी ने लिखा, 'केंद्र सरकार शिक्षा नीति के माध्यम से अपने 3 सी एजेंडे (केंद्रीकरण, व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता) को आगे बढ़ा रही है। शिक्षा नीति भारत के युवाओं और बच्चों की शिक्षा के प्रति सरकार की गहरी उदासीनता को दिखाती है। सोनिया ने अपने लेख में केंद्र पर संघीय शिक्षा ढांचे को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा- मोदी सरकार राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों से बाहर रखकर शिक्षा के संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है। शिक्षा नीति में केंद्र सरकार ने सारी ताकत अपने हाथ में ले ली है और सिलेबस और संस्थानों में सांप्रदायिकता फैलाई जा रही है। सोनिया ने शिक्षा नीति के लिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में राज्य सरकारों को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की बैठक सितंबर 2019

से नहीं हुई है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों के मंत्री शामिल हैं।

सरकारी स्कूलों की जगह प्राइवेट स्कूलों को बढ़ावा

सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान के लिए ग्रांट रोककर राज्य सरकारों को पीएम-श्री (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने के लिए मजबूर किया है। स्कूली शिक्षा के अनियंत्रित निजीकरण को बढ़ावा दिया। सोनिया ने कहा- एसएसए ग्रांट राज्यों को बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम को लागू करने के लिए दी जा रही है। शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने भी एसएसए निधियों को बिना शर्त जारी करने का मुद्दा उठाया था। सोनिया ने कहा- आटीई ने सभी बच्चों की पहुंच प्राथमिक स्कूलों तक सुनिश्चित की। इसके तहत एक किलोमीटर के भीतर एक प्राइमरी स्कूल (कक्षा एक से पांच तक) और 3 किमी के अंदर एक अपर प्राइमरी स्कूल (कक्षा 6 से 8 तक) होना चाहिए। ह्श्वक्कस्कूल परिसरों के विचार को बढ़ावा देकर ऋञ्जश्व के तहत इन पड़ोस के स्कूलों के कॉन्सेप्ट को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि 2014 से देश भर में 89,441 पब्लिक स्कूल बंद हो गए, जबकि 42,944 निजी स्कूल खुले हैं। ह्श्वक्कमें देश के गरीबों को सार्वजनिक शिक्षा से बाहर कर दिया गया है।

यूनिवर्सिटी को कर्ज लेने पर मजबूर किया जा रहा

सोनिया ने साल 2025 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए नए ड्राफ्ट गाइडलाइन की बात उठाई। उन्होंने लिखा- राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के चयन में राज्य सरकारों की भूमिका को लगभग खत्म कर दिया गया है। यह संघवाद के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने लिखा कि उच्च शिक्षा में केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा फाइनेंसिंग एजेंसी की शुरुआत की है। विश्वविद्यालयों को ॥श्वस्न से बाजार ब्याज दरों पर लोन लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जिसे राज्यों को बाद में अपने राजस्व से चुकाना होगा। लोन चुकाने के लिए छात्रों की फीस बढ़ोतरी का सामना करना पड़ता है। ग्रांट की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में संसदीय स्थायी समिति ने पाया कि इन लोन का 78त्न से 100त्न हिस्सा विश्वविद्यालयों के छात्रों की फीस से चुकाया जा रहा है।

सोनिया गांधी ने सरकार पर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से नफरत फैलाने और उसे बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों से इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण हिस्से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुगल काल और महात्मा गांधी की हत्या से जुड़े हिस्सों को सिलेबस से निकाला गया है, लेकिन जनता के विरोध के बाद संविधान की प्रस्तावना को वापस जोड़ा गया।

वक्फ संशोधन बिल कल हो सकता है संसद में पेश

आर.एन.एस

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल को 2 अप्रैल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार पहले लोकसभा में बिल पेश करेगी। सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- हम संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। बिल पर संसद के बाहर खूब विचार-विमर्श हुए हैं। हमें सदन में बहस और चर्चा में भी जरूर भाग लेना चाहिए। रिजिजू ने कहा- बिल पर बनी जेपीसी ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा परामर्श प्रक्रिया का रिकॉर्ड बनाया है। सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि लोगों को गुमराह न करें। उन्होंने

कहा कि भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने जा रही है।

गृह मंत्री अमित शाह ने 29 मार्च को एक निजी चैनल से बातचीत में इसी सत्र (बजट सत्र) में वक्फ बिल संसद में पेश करने की बात कही थी। शाह ने कहा था कि इस बिल से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है।

तीसरे कार्यकाल के लिए मैं संविधान बदलने के बारे में सोच रहा हूं- डोनाल्ड ट्रंप

आर.एन.एस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद से एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले ले रहे हैं। इसके बाद अब उन्होंने देश की पॉलिटिक्स में एक बड़े बदलाव का संकेत दिया है। यह वॉशिंगटन की राजनीति में हलचल मचाने वाला है। ट्रंप ने रविवार को कहा कि मैं अपने तीसरे कार्यकाल के लिए संविधान को बदलने के बारे में सोच रहा हूं।

एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति से जब उनके तीसरे कार्यकाल के पिछले इशारों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वह मजाक नहीं कर रहे थे। इसके लिए कुछ तरीके भी हैं, जिससे यह किया जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'बहुत से लोग चाहते हैं कि मैं ऐसा करूं लेकिन मेरा मतलब है, मैं मूल रूप से उनसे कहता हूं कि हमें

अभी लंबा रास्ता तय करना है, आप जानते हैं, प्रशासन में यह बहुत शुरुआती दौर है।' अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यकाल केवल दो बार तक ही सीमित है और यह चार साल के लिए होता है, चाहे वह लगातार हो या नहीं। किसी संवैधानिक संशोधन को पलटने के प्रस्ताव के लिए कांग्रेस के दोनों सदनों में दो-तिहाई मत व 50 अमेरिकी राज्यों में से तीन-चौथाई राज्यों की विधानसभाओं द्वारा समर्थन की जरूरत होती है। 22वें संशोधन के पारित होने के बाद किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने तीसरा कार्यकाल पाने की कोशिश नहीं की है। पहले यह परंपरा नहीं होती थी। दो कार्यकाल के राष्ट्रपति पद की परंपरा साल 1796 से चली आ रही है, जब जॉर्ज वाशिंगटन ने दो कार्यकाल के बाद अपनी इच्छा से पद छोड़ दिया। इसके बाद एक नई मिसाल कायम हुई। इसका पालन 140 सालों से ज्यादा तक हुआ।

उप्र : मेरठ में नमाज के दौरान जमकर पत्थर चले, मुरादाबाद में हंगामा

आर.एन.एस

मेरठ। यूपी में सोमवार को कड़ी सुरक्षा में ईद की नमाज हुई। वाराणसी जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। सड़क पर पढ़ने की अनुमति न होने के चलते कुछ लोगों ने सीढ़ियों पर नमाज अदा की।

मेरठ में ईद की नमाज के बाद कुछ मुस्लिम युवक एक पोस्टर लेकर सड़क पर आ गए। इस पर लिखा था- सड़कों पर सिर्फ मुस्लिम ही नमाज नहीं पढ़ते। शिवरात्रि सड़कों पर मनती है। कांवड़ यात्रा सड़क पर निकलती है। रामनवमी यात्रा सड़क पर निकलती है। दिवाली पर पटाखे सड़क पर फोड़े जाते हैं। गणेश चतुर्थी सड़कों पर मनाई जाती है। मुरादाबाद में नमाज छूटने पर कुछ युवकों ने हंगामा कर दिया। उनका

कहना था कि सुरक्षा के नाम पर उनको जगह-जगह चेक किया। ऐसे में वह समय से ईदगाह नहीं पहुंच पाए। इसके बाद ईदगाह में दोबारा नमाज पढ़वाई गई।

संभल में 10 कंपनी फोर्स तैनात की गई। मस्जिदों के आसपास 1300 सीसीटीवी लगाए गए। जामा मस्जिद के आसपास का इलाका छावनी बना रहा। ड्रोन से निगरानी की गई। वहीं, मेरठ के सिवालखास कस्बे में मुस्लिम समुदाय के दो गुटों में बवाल हो गया। इस दौरान जमकर पत्थर चले, फायरिंग हुई। इसमें कई लोग घायल हो गए।

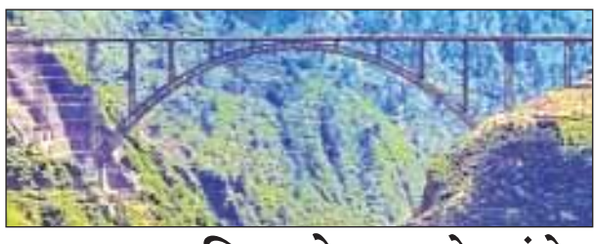

जम्मू : दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

आर.एन.एस

उधमपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी।

कटरा- श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। यानी 160 किलोमीटर का सफर 3 घंटे में पूरा किया।

मप्र : अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में लगी आग

आर.एन.एस

इटारसी। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन

को रवाना कर दिया गया। आग बुझाने की कोशिशें जारी है। आग लगने की इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर यातायात बंद हो गया।

जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी

ट्रेन के सबसे आखिरी में जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी। यह बोगी स्टील के बर्तन के कार्टूनों से भरी थी। इस कारण आग के साथ काफी धुआं उठने लगा। जिसके बाद जनरेटर कोच में काम करने वाले कर्मचारी भी तुरंत बाहर निकले। सूचना के बाद दमकल को बुलाया गया। डोलरिया थाना पुलिस और आरपीएफ इटारसी से बल मौके पर पहुंचा।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 25 लाख की इनामी नक्सली ढेर

आर.एन.एस

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानू को ढेर कर दिया। रेणुका डीकेएसजैडसी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद बरामद किया गया।

सोमवार सुबह नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों की टीम निकली थी। करीब 9 बजे जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग हुई। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ धाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक मारे गए 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। छ्रक्त (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और सीआपीएफ के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 11 महिला नक्सली हैं। मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में हुई थी।

बंगाल में लाल और गेरुआ एक हुए - ममता बनर्जी

कहा - बंगाल में दंगे भड़काना चाहते हैं दोनों

आर.एन.एस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में हुई हिंसा को लेकर भाजपा और लेफ्ट पर एक-दूसरे के साथ मिलकर राजनीति करने का आरोप लगाया। ममता ने बिना नाम लिए कहा कि ये दोनों पार्टियां मिलकर दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं। नवरात्रि चल रही है, मैं इसके लिए भी शुभकामनाएं देती हूं, लेकिन हम चाहते हैं कि कोई भी अशांति न फैलाए। ममता सोमवार को ईद के अवसर पर कोलकाता में ईदगाह पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार दंगों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी धर्मों के लिए अपने जीवन का बलिदान करने

के लिए तैयार हैं। ममता ने कहा- बहुमत का कर्तव्य अल्पसंख्यक की रक्षा करना है और अल्पसंख्यक का कर्तव्य बहुसंख्यकों के साथ रहना है। हम किसी को दंगा नहीं करने देंगे। हमारी एक ही आवाज है, दंगे रोकना।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

राउत ने कहा - मोदी रिटायरमेंट पर चर्चा करने नागपुर गए, फडणवीस बोले- पिता के रहते उत्तराधिकार पर चर्चा हमारी संस्कृति नहीं

आर.एन.एस

मुम्बई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने मुंबई में दावा किया कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट प्लान पर चर्चा करने के लिए संघ मुख्यालय गए थे। उन्होंने भाजपा की 75 साल की उम्र में रिटायर होने की पॉलिसी का जिक्र किया। पीएम मोदी भी इस साल सितंबर में 75 साल की आयु पूरी कर लेंगे।

इसके अलावा राउत ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही पीएम मोदी के उत्तराधिकारी का फैसला करेगा और उनका उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। दरअसल, बीते दिन पीएम मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार आरएसएस मुख्यालय पहुंचे थे।

वे आरएसएस मुख्यालय का दौरा करने वाले दूसरे पीएम हैं। उनसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने पीएम के रूप में तीसरे कार्यकाल के दौरान 2000 में वहां का दौरा किया था। पीएम मोदी का भी यह तीसरा

कार्यकाल है।

राउत के बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- पीएम मोदी अभी कई साल तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। नागपुर में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने कहा- 2029 में हम मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखेंगे। वे हमारे नेता हैं और वे पद पर बने रहेंगे। नेता के सक्रिय रहते हुए उत्तराधिकार पर चर्चा करना सही नहीं है। हमारी संस्कृति में जब पिता जीवित हो तो उत्तराधिकार के बारे में बात करना अनुचित है। यह मुगल संस्कृति है। इस पर चर्चा करने का समय नहीं आया है।

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों और पुलिस में झड़प

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास आईटी पार्क बनाने के का विरोध कर रहे छात्रों और पुलिस के बीच रविवार को खूब हंगामा हुआ। छात्र पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं की वजह से प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे थे। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति ने आरोप लगाया।

मणिपुर में संघर्ष अवैध अप्रवास और नशीली दवाओं के खतरे का नतीजा - बीरेन सिंह

आर.एन.एस

इम्फाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में संघर्ष नशीली दवाओं, अवैध अप्रवास और जंगलों के विनाश सहित कई चुनौतियों का नतीजा है।

एक्स पर एक पोस्ट में, सिंह ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा पर भी कटाक्ष किया और उनसे पूछा कि क्या उन्हें राज्य में अवैध गांवों की संख्या में खतरनाक वृद्धि के बारे में पता है। मई 2023 से मैतेई और कुकी-ज़ो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मणिपुर में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हज़ारों लोग बेघर हो गए हैं। संघर्षग्रस्त मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर राज्य भाजपा के भीतर मची सुगबुगाहट के बीच, एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ घंटे बाद ही पद छोड़ दिया।

केंद्र ने 13 फरवरी को एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था सिंह ने कहा, ÷वर्तमान संकट मूलतः राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह

चुनौतियों के जटिल मिश्रण से उपजा है, जिसमें नशीली दवाओं का खतरा, अवैध आव्रजन, वनों का विनाश और चुनिंदा समूहों द्वारा व्यवस्थित रूप से सत्ता हासिल करने की कोशिश शामिल है। उन्होंने दावा किया कि दिवंगत पी ए संगमा ने एक बार पूर्वोत्तर को जातीय आधार पर छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित करने की वकालत की थी, जो एक खतरनाक विचार था, जिससे हमारे राष्ट्र की एकता को खतरा था। उन्होंने कहा, आज हम मणिपुर को अस्थिर करने के लिए उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के ऐसे ही प्रयास देख रहे हैं।

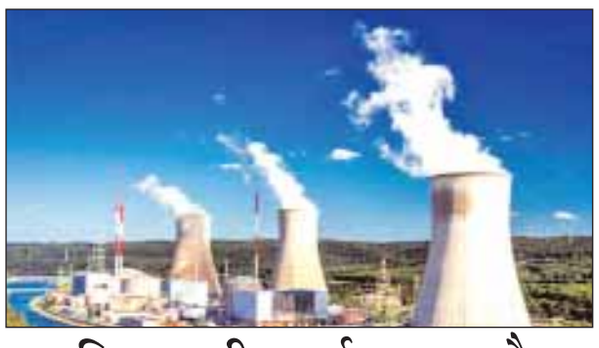

न्यूक्लियर डील : ईरान समझौता करें, वरना बमबारी होगी - ट्रम्प

आर.एन.एस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी है कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी। ट्रम्प ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर वे कोई डील नहीं करते हैं तो बमबारी होगी। यह ऐसी बमबारी होगी, जैसी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी होगी। ट्रम्प ने आगे कहा- उनके (ईरान) पास एक मौका है, अगर वे ऐसा नहीं करते तो मैं उनपर 4 साल पहले की तरह सेकेंडरी टैरिफ लगाऊंगा। न्यूक्लियर प्रोग्राम पर अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

नवल सागर किनारे उतरी राजस्थान की बहुरंगी सांस्कृतिक छटा

राजस्थान दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राजस्थान दिवस पर रविवार को नवल सागर के किनारे सजी सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत में योगेंद्र मिश्रा ने पधारो म्हारे देश ज़गीत की शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद लोक कलाकारों ने चरी नृत्य के साथ गोरबन्द , घूमर व कालबेलिया नृत्यों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कुणाल गन्धर्व ने सर पर कलश रख भवाई नृत्य प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। कलाकारों ने बन मोर रिझावै....नाच नाच नटवर मोर बिहारीज्मोर बन आयो रसिया पर मयूर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुतियों की कड़ी में जो हैं अलबेला मद नैनो वालाज्गीत पर फूलों की होली को दर्शकों ने खूब सराहा।

राजस्थान दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही कविता पाठ भी हुआ। कवि देश बन्धु दाधीच , पीयूष पाचक, तपन राज,आयुष मेहता ने राजस्थानी व देश भक्ति से ओतप्रोत कविताएं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार दाधीच ने किया। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, नगर परिषद आयुक्त संतलाल मक्कड, जिला उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महाप्रबंधक संजय भारद्वाज, सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सैनी ने शिरकत की। राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग एव जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए । शुरुआत नागर सागर कुंड में शहनाई वादन से हुई । स्कूल के छात्र छात्राओं को गाइड संदीप शर्मा ने चौरासी खम्भो की छतरी, सुखमहल व रानीजी की बावडी के इतिहास की जानकारी दी । सुखमहल में चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में बूंदी के कलाकारों के चित्रों को लगाया गया जिसे विदेशी पर्यटकों सहित लोगो ने देखा। लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक नृत्यों की प्रस्तुति दी । इंटेक के संयोजक राजकुमार दाधीच पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर संग्रहालय अधीक्षक जगदीश वर्मा ने छात्राओं को राजस्थान गठन की जानकारी दी ।

कवाईः वार्षिकोत्सव संकल्प 2025 में थिरके नन्हे कदम, दर्शक हुए मंत्र मुग्ध

संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं विद्या भारती के स्कूल - विधायक बैरवा

बारां/कवाई । विद्या भारती विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर का वार्षिक उत्सव संकल्प 2025 एवं प्रतिभा सम्मान समारोह विद्या मंदिर के नवीन भवन के सभागार में उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें नन्हे नन्हे छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति पर आधारित बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रम मुग्ध कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चौथमल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्षिक उत्सव संकल्प 2025 एवं वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि राधेश्याम बैरवा विधायक रहे मुख्य वक्ता प्रमोद कुमार राठौर अध्यक्ष विद्या भारती रहे तथा विशेष अतिथि वीरेंद्र सिंह हाडा मंडल अध्यक्ष तथा सतीश अरोड़ा समाज सेवी रहे समारोह की अध्यक्षता धनराज सुमन मंत्री विश्व हिंदू परिषद ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता व मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।कार्यक्रम मे बालकों द्वारा देशभक्ति गीत, कविता,योग शारीरिक एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित रंगमंचीय कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के नागरिकों ने उपस्थित होकर भैया बहनों का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य विधायक बैरवा ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्या भारती के विद्यालय भारत के लिए संस्कारवान भावी पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं। यह केवल शिक्षा देने का केंद्र नहीं अपितु समाज जागरण का केंद्र है। विद्यालय समाज के छात्र-छात्राओं को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सर्वांग विकास के संकल्पित है। शिक्षा संस्कार व राष्ट्रभक्ति विद्या भारती की पहचान है। मुख्य वक्ता राठौर ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय संपूर्ण देशभर में निजी क्षेत्र अपनी पहचान रखते हैं। यह प्रतिष्ठा नहीं अनुष्ठान है। अतिथियों का स्वागत परिचय एवं प्रतिवेदन प्रधानाचार्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी सतीश अरोड़ा ने शिशु वाटिका हेतु विद्यालय समिति को एलईडी भेंट की। पूर्व अध्यक्ष गजानन नागर,सरोज दीक्षित,मंत्री अशोक कुमार योगी,जिला सचिव राजेंद्र कुमार शर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य महेश मंगल पुरुषोत्तम गौतम एवं हंसराज मित्तल अंशुल गालव पवन गुर्जर देवकीनंदन सुमन सत्यनारायण मित्तल तथा वनवासी कल्याण परिषद के भवानी शंकर शर्मा उपस्थित रहे। विद्या भारती के अधिकारी व अतिथियों ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया।आभार विद्यालय समिति सचिव मनोज कुमार गौतम ने प्रकट किया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डेस्क प्रभारी महोदय, उक्त समाचार के साथ दोनों फोटो प्रकाशित करने का श्रम करें।

लाखेरी में नगर पालिका द्वारा गणगौर मेले के आयोजन की भव्य शुरुआत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जिले के लाखेरी में रविवार से गणगौर पर्व के उपलक्ष में नगर पालिका मण्डल की ओर से सात दिवसीय गणगौर समारोह के आयोजन का शुभारंभ हुआ। जानकारी के अनुसार रविवार को नाना देवी माता के भजन संध्या से कार्यक्रम की शुरूआत की गई, सोमवार गणगौर के दिन भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हाथी, घोड़े, ऊंट, बैण्ड बाजे, भांगडा, आकर्षक विभिन्न झाकियां आदि शोभायात्रा में शामिल रही, शोभायात्रा रघुनाथ मंदिर से प्रारंभ हुई जो मुख्य मार्ग से होती हुई बस स्टैंड समीप विद्यालय प्रांगण में आतिशबाजी के साथ समाप्त हुई। मंगलवार 1 अप्रैल को स्टार नाइट कार्यक्रम आयोजित होगा, दो अप्रैल बुधवार को राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम, तीन को सांवरिया सेठ की भजन संध्या आयोजित होगी। चार अप्रैल शुक्रवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, 5 अप्रैल को स्थानीय प्रतिभाओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। यह सात दिवसीय कार्यक्रम बस स्टैंड समीप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रागंण में आयोजित किए जाएगें। मेले में शहर वासी झूलों का आनंद ले रहे हैं नगर परिषद द्वारा शहर में गणगौर मेले में शहरवासियों एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, चकरी, ट्रेन, नाव, विभिन्न प्रकार की दुकानें आदि लगाऐ गए हैं ।जिनका भरपूर आनंद शहर वासी ले रहे है। जिले के लाखेरी कस्बे में यह गणगौर पर्व वर्षों से बडी धूमधाम के साथ मनाया जाता है जिसे देखने लाखेरी कस्बे के आसपास के ग्रामीण अंचल के लोग भी बड़ी संख्या में देखने पहुंचते है।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत निवेश उत्सव आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सोमवार को निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इम्पैक्ट 1.0 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का होटल क्लासिक सैफायर अनंता के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअल प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिला उद्योग महाप्रबंधक संजय भारद्वाज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ओपी सामर ने शुभारंभ किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी, राजस्थान टेक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी का विमोचन, निवेशकों के लिए एमओयू ट्रैकिंग हेतु मोबाइल एप की लॉन्चिंग और राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की शुरुआत की। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 12 मार्च, 2025 को राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का प्रत्युत्तर देते हुए हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर भारतीय रीति-नीति से राजस्थान दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। जिसके तहत 25 से 31 मार्च तक राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न आयोजन किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में फोर्टी के अध्यक्ष द्वारका मंत्री, रीको आरएम राजेश कुमार, होटल इंडस्ट्रीज अध्यक्ष प्रदीप चांदवानी, प्रबंधक अडाणी विल्मार, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन भूपेन्द्र शर्मा ने किया।

हर्ष और उल्लास के साथ मनाया ईद का पर्व, खुदा की बारगाह में झुके हजारों सर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। खुदा की बारगाह मैं झुके हजारो सजदे दिया अमन शांति का पैगाम कोमी एकता और भाई चारे के लिए करते रहे मिलजुलकर काम शहर क़ाज़ी क़ादरी शहर सहित जिले भर में उत्साह और उमंग के साथ मनाई ईद एक दूसरे को गले लग कर दी मुबारक बाद सभी धर्मों के लोग पहुंचे मुस्लिम समाज बन्दुओ को ईद की देने मुबारकबाद सिवइयों खुरमो ईदुल फितर की नमाज अदा की गई सोमवार को मुख्य नमाज नवल सागर ईदगाह पर शहर काजी पीरज़ादा अब्दुल शकूर क़ादरी ने ईद की नमाज अदा कराई व खुत्बा पड़ा पीरज़ादा अब्दुल शकूर क़ादरी ने अपनी तकरीर मैं मुल्क में अमन सलामती भाई चारे ओर कोमी एकता पर जोर दिया साथ जकात व ईदुल फितर के बारे में बताया ओर कहा है कि हमे उन कमजोर और बेसहारा लोगो की मदद करनी चाहिए साथ ही सभी धर्म के लोगो को भाई चारे के साथ रहने व समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म कर स्वच्छ व साफ सुथरा समाज का निर्माण कर लोगो के लिए मिसाल कायम करने का आह्वान किया क़ादरी साहब ने कहा कि जो लोग मदद के हक दार है उनकी दिल खोल कर मदद करना चाहिए और ये काम जाति और मजहब से उठकर करना चाहिए साथ ही मुल्क की तरक्की में भागीदारी निभाते हुए देश को विकास की ओर अग्रसर करना चाहिए हाजी अब्दुल सत्तार क़ादरी ने हज के बारे में बताया हामिद रज़ा ने नात शरीफ पड़ी सलात मोहम्मद अहमद रजा ने पड़ी बून्दी जिला वक्फ कमेटी सचिव मौलाना असलम ने बताया कि हमे बच्चों की तालीम व अच्छी तरबियत पर ध्यान देना चाहिए कोम के बच्चे व बच्चियां तरक्की कर सके व देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सके साथ उन्होंने कहा कि हमे मुल्क की तरक्की में भागीदारी निभाते हुए देश को खुशहाली की ओर ले जाना चाहिए व मुल्क में कोमी एकता व भाई चारे के लिए काम करते रहना चाहिए इस दौरान जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा बून्दी विधायक हरिमोहन शर्मा कोमी एकता कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष युद्ध राज सोनी पुरषोत्तम पारीक पेन्शु सिंह डॉक्टर जुनैद मोईनुद्दीन फारवर्ड भगवान लाडला उपाध्यक्ष मेहमूद अली इमरान क़ादरी सीआई सदर रमेश आर्य अनिल जोशी बशीर मुल्तानी शिफाउल हक गफ्फार भाई आदि मौजूद थे नमाज सुबह 9 15 बजे शुरू हुई अंत में वहाँ मौजूद सभी ने एक दूसरे के गले लग कर ईद की मुबारकबाद दी व मुल्क में अमन चैन भाई चारे कोमी एकता व खुशहाली के लिए दुआ की व नमाज के घरों पर जाकर मुह मीठा कराया ।

श्री गौतमेश्वर बालाजी मन्दिर पर मंत्रोउच्चारण, के साथ हुई महर्षि गौतम व माता अहिल्या की मूर्ति स्थापना

धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। श्री महर्षि गौतम आदर्श विकास समिति औद्योगिक क्षेत्र कोटा तत्वाधान में श्री महर्षि गौतम प्राकाट्य महोत्सव बड़ी धुमधाम से मनाया गया इस अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत श्री गौतमेश्वर दक्षिणमुखी बालाजी मन्दिर पर मंत्रोउच्चारण के साथ महर्षि गौतम व माता अहिल्या की मूर्ति स्थापना समारोह आयोजित किया गया। समिति संरक्षक गोविन्द प्रसाद गौतम अध्यक्ष लोकेश गौतम ने बताया कि रविवार को श्री महर्षि गौतम का प्राकट्य महोत्सव के तहत आचार्य श्याम शर्मा, सह आचार्य बुद्धि प्रकाश शर्मा के सानिध्य में विधि विधान से मंत्रोउच्चारण के साथ महर्षि गौतम, माता अहिल्या की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई। गौतम ने बताया कि शनिवार को मूर्तिजलाधिवास, फलाधिवास, अनाधिवास, पुष्पाधिवास, शयानाधिवास, दसाविधि स्नान करवाया गया व सायं 4 बजे कलश यात्रा निकाली गई जिसमें समाज की महिला एवं पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में बैंड बाजों के मधुर भजनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। रविवार को हवन यज्ञ, पूजा अर्चना के पश्चात मंत्रोच्चार के साथ श्री महर्षि गौतम व माता अहिल्या मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के पश्चात महाआरती के बाद महाप्रसादी वितरण की गई इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विशाल शर्मा, कुंजबिहारी गौतम, प्रवीण पंचोली, जितेंद्र गौतम सहित बड़ी संख्या समाज बंधु उपस्थित रहे। जहां अतिथियों दुपट्टा धारण करवा महर्षि गौतम का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया।

सोशल मीडिया पर पूर्व राजपरिवार के विरुद्ध किये जा रहे दुष्प्रचार पर प्रेस को सच्चाई से कराया अवगत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। पूर्व राजपरिवार के सम्बन्ध में फैलाये जा रहे दुष्प्रचार एवम न्यायालय के निर्णय का गलत व्याख्या सोशल मीडिया पर किये जाने पर बलभद्र सिंह के अधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पारीक से पूछे जाने उनके द्वारा बताया गया कि परिवादी बलभद्र सिंह की द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी जिसमे कहा गया था कि प्रकरण में अभियुक्तगण द्वारा बिना किसी पूर्व राजपरिवार के पगड़ी दस्तुर का कार्यक्रम किया गया हे उक्त कार्यक्रम किये जाने से जाती समाज में वैमनस्यता फैलने की संभावना थी इस प्रकरण में पुलिस द्वारा बाद जांच इस आधार पर अंतिम प्रतिवेदन पेश किया गया कि क्योंकि पूर्वराजपरिवार के समस्त सदस्यो एवम जागीरदारों एवम अन्य पूर्व रियासतों की सहमति से उक्त महाराव राजा वंशवर्धन सिंह के पाग दस्तूर का कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका हे इसलिए प्रकरण गलतफहमी में दर्ज कराए जाने के आधार पर अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तूत किया गया एवम उक्त प्रकरण में परिवादी द्वारा इस आधार पर आपत्ति याचिका प्रस्तुत करि गयी की प्रकरण गलतफहमी में नही दर्ज करवाया गया हे जिस न्यायालय ने बाद विचारण अंतिम प्रतिवेदन स्वीकार फरमाया गया अधिवक्ता श्री दिनेश पारीक ने बताया की उक्त न्यायालय में न तो ये विषय विचारणीय था कि राज परिवार की पाग किसको बधेगी न ही उक्त न्यायालय को उक्त विषय पर विचारण करने की अधिकारिता

हिंदू नव वर्ष समारोह पर आयोजित शोभायात्रा का ब्राह्मण कल्याण परिषद के सदस्यों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां। हिंदू नव वर्ष समारोह के अवसर पर श्री राम स्टेडियम से प्रारंभ हुई शोभा यात्रा का ब्राह्मण कल्याण परिषद के सदस्यों द्वारा स्वागत सत्कार तथा पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया। बारां शहर में निकाली गई विशाल शोभायात्रा ने पूरे वातावरण को भगवामयी में कर दिया। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु मातृशक्ति एवं बालक-बालिकाएं युवा, बुजुर्ग और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि सह परिवार शामिल हुए।

श्री राम स्टेडियम से चार मूर्ति चौराहे के मध्य डाकघर के समीप ब्राह्मण कल्याण परिषद के जिला प्रभारी भगवान शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अजय शर्मा,नगर अध्यक्ष किशन शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति शर्मा, युविका अध्यक्ष सुरभि शर्मा, शिव शंकर चतुर्वेदी, रामबाबू शर्मा ,मुकेश शर्मा ,निर्मला शर्मा ,जया शर्मा, ममता शर्मा, नरेंद्र तिवारी ,सतीश शर्मा, योगेंद्र शर्मा एवं नरेंद्र तिवारी तथा श्याम स्वरूप और रघुवीर शर्मा सहित बारां नागरिक सहकारी बैंक के पूर्व वाइस चेयरमैन राजेंद्र शर्मा आदि ने शोभायात्रा एवं उसमें सम्मिलित झांकियां का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

गणगौर की पूजा- अर्चना कर, मांगा अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद

सिविल लाइंस में महिला मंडल की सदस्यों द्वारा की गई विशिष्ट पूजा अर्चना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । शहर के कोटा रोड स्थित न्यू सिविल लाइंस में महिला मंडल की सदस्यों द्वारा गणगौर उत्सव को विधि विधान से पूजन अर्चन हर्षोल्लास के साथ मनाया तथा भगवान शिव और माता पार्वती से प्रार्थना कर अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद मांगा। सिविल लाइंस महिला मंडल की सदस्य एवं ब्राह्मण कल्याण परिषद महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति शर्मा व श्रीमती मिथलेश नाथावत ने बताया कि गणगौर व्रत सौभाग्य, सुख-समृद्धि और परिवारिक खुशी का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि पौराणिक कथाओं में ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने वाली विवाहिताओं को अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्रीमती कमलेश पोरवाल ने बताया कि गणगौर भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का प्रतीक है और इस दिन पूजा अर्चना करने से सुख समृद्धि तो आती ही है अपितु वातावरण भी शुद्ध रहता है। श्रीमती कमलेश पोरवाल और पूनम सक्सेना ने बताया कि गण का मतलब भगवान शिव होता है और गौर का मतलब माता पार्वती। इस मौके पर मंजू नागर, सुधा नंदवाना रितू गुप्ता, रेखा विजय, सीमा विजय, संगीता गालव, नीलम शर्मा, ईशा शर्मा, अमीषा राठौर, बबीता सुमन, कुसुम गर्ग, ज्योति गर्ग व टीना गर्ग सहित इत्यादि महिलाओं ने ईशर -गणगौर की पूजा अर्चना की।

सौहार्द का प्रतीक ईद- उल -फितर का त्यौहार पूर्ण हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया

नमाजियों ने नमाज अदा कर अमन चैन की दुआ मांगी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां। मेल- मिलाप और सौहार्द का प्रतीक ईद उल फितर ईद का त्यौहार पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया तथा देश की खुशहाली और अमन चैन की दुआ मांगते हुए नमाजियों ने एक दूसरे को गले लगा कर शुभकामनाएं दी। अंजुमन कमेटी के प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि मेल मिलाप और सौहार्द का प्रतीक ईद-उल-फित्र (ईद) का त्योहार सोमवार को पूर्ण हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया।

बारां शहर के अस्पताल रोड स्थित ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज शहर काजी अब्दुल कय्यूम ने पढ़ाई।नमाज के बाद मुल्क में तरक्की और अमनो- अमन- के लिए दुआ मांगी गई। ईद की नमाज को लेकर सभी मस्जिदों में भी व्यापक और व्यवस्थित इंतजाम भी किया गया था। शहर के तालाब पाड़ा स्थित बारह भाइयों की मस्जिद ,तालाब की पाल मक्का मस्जिद ,श्योपरियान, मस्जिद भोला साहब ,मदीना मस्जिद श्रमिक कॉलोनी मस्जिद आदि क्षेत्रों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। इस दोरान मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध लोग अंजुमन सदर माजीद सलीम, नायाब सादर जाकिर मंसूरी, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दूल गनी , हाजी अब्दूल वाहिद , कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष शाहिद कुंडी , समाज सेवी शेख बहादुर, पार्षद शरीफ रंगरेज , इकबाल नेता ,पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी ,नियाज़ मोहम्मद , मुन्ना पठान, साबिर खान ,नफीस पठान , इशरत खान, जाकिर खिलजी आदि समाज के लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी।

मुद्रा संग्रह के लिए लकेश डंडोना को मिला मुद्रा भूषण अवार्ड

विरासत के नन्हें सरताज का अवार्ड योनिशा बंसल को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। तीन दिवसीय कोटा मुद्रा उत्सव का समापन उत्साह, उमंग और मन में नई जिज्ञासाओं के साथ हुआ। मुद्रा उत्सव में हजारों लोगों ने 2700 साल पुरानी विभिन्न विरासतों और देश विदेश की मुद्राओं को देखा और आश्चर्य व्यक्त कर सुखद अनुभूति का अहसास किया। चेयरमैन लकेश डंडोना ने बताया कि कोटा फिलाटेली एवं न्यूमिजमाटिक सोसाइटी, रोटरी क्लब कोटा उत्तर के सहयोग से इसका आयोजन किया गया जिसमें देशभर से कोइन के संग्रहकर्ता का ने अपनी करंसी को प्रदर्शित किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि रोटरी की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 3056 राखी गुप्ता रही। समापन समारोह के दौरान 25 साल से यूनीक मुद्रा संग्रह के लिए मुद्रा भूषण अवार्ड लकेश डंडोना को दिया गया, जबकी नई पीढी द्वारा इस संग्रह को आगे बढाने में अपनी भूमिका निभाने वाले बारां के योनिशा बंसल को विरासत के नन्हें सरजात का अवार्ड दिया गया। वहीं विरासत के संरक्षण का अवार्ड शिवचन्द्र सबलोक को दिया गया। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड जगमोहन भाई, एसएल जैन गोगाजी दिल्ली, हरबंस लाल गर्ग संगरूर, डॉ. अक्षय कुमार जैन दिल्ली एवं गोपाल लाल पालीवाल को दिया गया। इस आयोजन में विरासत के संरक्षक, मुद्रा प्रेमी, मुद्रा मित्र अवार्ड भी दिए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष रोटरी क्लब कोटा नोर्थ, सुरेन्द्र अग्रवाल, सचिव रोटरी क्लब कोटा नोर्थ गौरव सूद, सोसायटी के अध्यक्ष नारायण चांडक, सोसायटी सचिव राम अवतार सारडा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र के.आर. कात्याल, अध्यक्ष रोटरी क्लब कोटा नोर्थ, सुरेन्द्र अग्रवाल, सचिव रोटरी क्लब कोटा नोर्थ गौरव सूद का विशेष सहयोग रहा। प्रदर्शनी में पुरानी पत्थर व लकडी की स्लेट, आयरन पजल्स, दुनिया का बेशकीमती टोकन, गत्ते के सिक्के, कोडिया, दुनिया का पहला नोट, ताश के सबसे छोटे पत्ते, माचिस पर भगवान का फोटो, भारत की आजादी से लेकर अब तक के सिक्के और नोट, ढाई, डेढ रुपए, साढे सात के नोट, एजिजाबेथ पर बना नोट, शाही परिवारों के हथियार, मुगल काल की पत्थर की कलाकृतियां, सिखों की लकड़ी और तांबे की कलाकृतियां, सिख राज्यों के दुर्लभ दस्तावेज, दुर्लभ सिख मूल प्राचीन लघु चित्र, शाही परिवारों की दुर्लभ कैमरा तस्वीरें, दुनिया के सबसे छोटे चित्र पोस्ट कार्ड, दुनिया का सबसे छोटा कैमरा, दुनिया का सबसे छोटा सिख टोकन, दुनिया की सबसे छोटी पिस्तौल, दुनिया का सबसे छोटा ग्रामोफोन रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे छोटी बोतल, दुनिया का सबसे छोटा वजन, दुनिया के मुद्राशास्त्रीय कवरों का सबसे बड़ा संग्रह, जीवाश्म, बल्ब, वस्त्र, स्याही, बर्तन, लघु पुस्तकें, हाथी दांत की पेंटिंग, टोकन, रिकॉर्ड, स्पूल, टेप, सबसे दुर्लभ पांडुलिपियाँ, सबसे दुर्लभ सिक्के, सबसे दुर्लभ टिकटों का संग्रह, एक ही नंबर वाले दुर्लभतम फैंसी नंबर नोट, माचिस और विश्व की कुछ अन्य दुर्लभ वस्तुओं ने भी लोगों के मन पर अपनी छाप छोडी।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र बूंदी में स्वयंसेवक बालू लाल जी का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह हुआ आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र बूंदी में स्वयंसेवक बालू लाल जी का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संयोजक स्वयंसेवक राजाराम गुर्जर के नेतृत्व में समस्त स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बालू लाल जी को सम्मानित करने के लिए डीजे बागी और पुष्प वर्षा के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। समस्त स्वयंसेवकों के लिए भोजन की भी विशेष व्यवस्था की गई। यह देश व राज्य का पहला ऐसा अनूठा आयोजन था, जिसकी शुरुआत गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र बून्दी से की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र बून्दी के डिप्टी कमांडेंट राम सिंह मीणा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कंपनी कमांडर शंकर लाल उपस्थित रहे। डिप्टी कमांडेंट राम सिंह मीणा ने इस ऐतिहासिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल सम्मानित व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक होते हैं, बल्कि अन्य स्वयंसेवकों को भी समर्पित भाव से सेवा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बालू लाल जी के वर्षों की सेवा को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि शंकर लाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालू लाल जी ने अनुशासन, समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा की है, जो सभी स्वयंसेवकों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से संगठन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपसी सौहार्द भी प्रगाढ़ होता है। कार्यक्रम के दौरान बालू लाल जी का साफा बंधन और माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित स्वयंसेवकों ने भी बालू लाल जी के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

चक्रवर्ती सम्राट वीर विक्रमादित्य सिंह परमार की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» राजाखेड़ा..मंचासीन अतिथिगण

राजाखेड़ा। क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान द्वारा चक्रवर्ती सम्राट वीर विक्रमादित्य सिंह परमार की जयंती एवं क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान संगठन को सफलतापूर्वक 1 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजोरा खुर्द सैंपऊ में क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा परमार सैंपऊ ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आगरा डॉ. मंजू भदोरिया ने बताया की विक्रमादित्य परमार शौर्य और बलिदान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। विशिष्ट अतिथि शक्ति सिंह बांदीकुई ने बताया की परमार वंश का शौर्य और गौरवशाली इतिहास रहा है। क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान प्रदेश संरक्षक डॉ. रामकेश सिंह परमार ने बताया की शिक्षा से ही संभव है। राजपूत समाज का विकास और नई पहचान डॉ.आरपी सिंह परमार ने कहा की हम सभी को मिलकर समाज के नए भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करना होगा। प्रशांत सिंह परमार कांग्रेस प्रत्याशी बाड़ी ने क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम के लिए प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा परमार एवं संगठन की सराहना करते हुए बताया की हर वर्ष इस प्रकार के कार्यक्रम क्षेत्र में होते रहने चाहिए। जिससे समाज में विक्रमादित्य सिंह परमार के इतिहास के बारे में समाज में जागरूकता हो सके विकास परमार खेरागढ़ ने बताया की क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान राजस्थान के अंदर राजपूत समाज की एकता के लिए बेहतरीन विकल्प है। राजा भैया ने बताया की क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जिले में एक नया इतिहास रचा है। शिव शंकर परिहार ने कहा की विक्रमादित्य सिंह परमार वो पराक्रमी राजा थे जिन पर स्वयं देवता भी न्याय करवाने आते थे। प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह परमार ने हजारों की संख्या में पधारने पर राजपूत समाज के बंधुओं का आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष रामप्रवेश सिंह परमार ने बताया की आज के समय में प्रदेश में संगठन द्वारा लगातार सराहनीय कार्य किया जा रहे हैं। मंच संचालन प्रदेश सचिव प्रेम सिंह परमार एवं अजीत परिहार द्वारा किया गया। इस भव्य कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में नरेंद्र सिंह चौहान, सत्यभान सिंह तोमर, रूपेंद्र सिंह राजावत, अंशु परमार, गौलेश चौहान, हरेंद्र सिंह परमार, कर्म सिंह सिकरवार, रानू सिंह परमार, करन परमार, नितिन परमार, आकाश परमार, शिवम परमार, मोनू परिहार एवं अन्य युवाओं ने सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान श्याम सरपंच राजोरा, धर्मेंद्र सरपंच ध्वजपुरा, देवेंद्र सरपंच इटकी, विनय परमार, रविंद्र परमार, हेमन्त सिंह जादौन, प्रदीप सिसोदिया, महेंद्र सिंह परमार, पूर्व सरपंच सैंपऊ पप्पू परमार, राधेश्याम सिंह परमार, संजीव परमार, कवि श्यामवीर सिंह, भोलू परमार, प्रशांत सिंह राजोरा खुर्द, रविंद्र सिंह हथवारी, विवेक परमार, राकेश परमार, अशोक सिंह सिकरवार एवं हजारों की संख्या में राजपूत समाज मौजूद रहा।

राजस्थान में युवा कांग्रेस का रोजगार मेला, 2000 युवाओं को मिलेगा अवसर-रोहित बोहरा

» धौलपुर..पोस्टर का विमोचन करते विधायक बोहरा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजाखेड़ा विधानसभा के विधायक रोहित बोहरा के निवास पर रोजगार मेला के पोस्ट का विधायक रोहित बोहरा द्वारा पोस्टर विमोचन हुआ। बोहरा ने इस रोजगार मेला में अधिक से अधिक संख्या मे युवाओं को जाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा राजस्थान प्रदेश युवा कांग्रेस के तत्वावधान में 2 अप्रैल को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एक भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में देशभर की 60 नामी कंपनियां भाग लेंगी और 1500 से 2000 युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करेंगी। उम्मीदवारों को बायोडाटा व आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। 18 से 34 वर्ष तक के युवा आवेदन करेंगे लड़कियों के लिए भी समान अवसर उपलब्ध। एवं योग्य उम्मीदवारों को मौके पर ही जॉब ऑफर लेटर दिया जाएगा। सैकड़ों युवाओं के लिए यह रोजगार मेला सुनहरे भविष्य की ओर एक कदम साबित होगा। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर मेला में पहुंच कर रोजगार मेला का लाभ उठाये। रविन्द्र कुमार मौर्य प्रदेश महासचिव ने रोजगार मेला का पोस्टर विमोचन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ करवाया। हकीम पंडित, राजेंद्र कंसाना, महेश निषाद, रवि सीकरवार, अजीत पिरोहित, राजकुमार चौहान, जयपाल सिंह, मिलन जादौन, प्रवेश सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आठ दिवसीय चैत्र नवरात्र महोत्सव का हुआ ध्वजारोहण के साथ आगाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी.. मेले का ध्वजारोहण करते पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा।

बाड़ी। शहर में नगर पालिका द्वारा आयोजित होने वाले माता रानी के आठ दिवसीय चैत्रीय नवरात्र महोत्सव का सोमवार को आगाज हो गया। शहर के महाराणा प्रताप खेल मैदान पर विधि-विधान से पूजा अर्चना के साथ पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा ने मेले का ध्वजारोहण किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी के साथ तमाम पार्षद गण और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चैत्र नवरात्र महोत्सव आयोजन को लेकर मुख्य अतिथि के रूप में गिर्राज मलिंगा ने कहा कि मेला माता रानी से जुड़ा हुआ है। हर वर्ष चैत्र मास में इसका आयोजन नगर पालिका द्वारा किया जाता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी मंच से आयोजन होता है। ऐसे में मेला अध्यक्ष नगर पालिका इस आयोजन को दिव्य-भव्य रूप से करें साथ में यदि किसी प्रकार की कोई कमी आये,आर्थिक रूप से समस्या सामने आए तो उन्हें अवगत कराए। शहर वासियों का पूरी तरह मनोरंजन होना चाहिए। मेला अध्यक्ष अमर सिंह पोसवाल ने बताया कि इस बार मेला दिव्य-भव्य रूप से आयोजित होगा। मेला मंच पर आठ दिन तक सांस्कृतिक और मनोरंजन के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कविता पाठ और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। नगर पालिका के ईओ श्याम बिहारी गोयल ने बताया की मेले को अच्छे तरीके से आयोजित करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। मेले में दुकानों के लिए भी प्लॉट काटे गए हैं साथ में मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध कराए गए हैं। शहर वासियों से रहट और झूले वाले अधिक पैसे नहीं ले इसको लेकर भी उन्हें पाबंद किया है। मेले की स्थापना के दौरान पंडित हरिद्वारी लाल पाराशर ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई और मेले का ध्वजारोहण कराया गया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी ने अपने उद्बोधन में सभी पार्षद गणों से आग्रह किया कि वे मेले में पूर्ण रूप से सहयोग करें। मेल अध्यक्ष का हौसला बढ़ाये। इस दौरान शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कुशवाहा समाज द्वारा बैठक का आयोजन

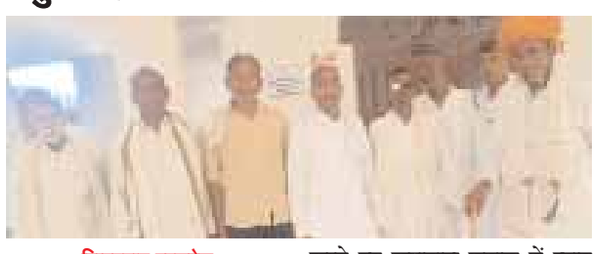

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। 12 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले जी कि 198वीं जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में सोमवार को हरिदास महाराज की समाधि बसई सामंता में कुशवाहा समाज द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व सहमति से आगामी 12 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले कि जयंती के उपलक्ष्य में हरिदास महाराज कि समाधि बसई सामंता में एक सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें महापुरुषों के समाज हित में किये गये कामों को याद करते हुए उन्हें नमन करते हुए कुशवाहा समाज में व्याप्त कुरितियों के बारे में चर्चा की जाएगी। साथ ही शिक्षा व सामाजिक विकास कार्यों पर जोर दिया जायेगा। कार्यक्रम में जिले से सामाजिक, राजनीतिक लोगों के साथ ही उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश से अनेक इतिहासकार वक्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें बहादुर सिंह अध्यक्ष व रामदास जाटव उपाध्यक्ष, बच्चूसिंह कोषाध्यक्ष, जादोसिंह सचिव, व्यवस्थापक समस्त क्षेत्रवासी व कार्यक्रम संचालक पवन कुमार कुशवाहा को नियुक्त किया गया है।

कौलारी मस्जिद में अदा हुई ईद उल फितर की नमाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» कौलारी...एक दूसरे को ईद की बधाई देते हुए।

» धौलपुर...करबला में ईद की बधाई देते हुए

» धौलपुर...शिया मस्जिद में ईद मनाते

कौलारी। कस्बे में ईद उल फितर की नमाज शांति पूर्वक अदा की गई। रमजान के पाक महीने के बाद मुस्लिम समुदाय ने ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया। कौलारी मस्जिद में सुबह से ही नमाज पढ़ने वालों की भीड़ इकट्ठा होने लगी, जहां पर ईद उल फितर की नमाज़ अदा करने के लिए लोग जमा हुए। कौलारी मस्जिद में ईद की नमाज़ का आयोजन सुबह 8:30 बजे हुआ। इस अवसर पर मस्जिद के इमाम राजुद्दीन खान ने विशेष दुआ पढ़ी और लोगों को भाईचारे, शांति और समृद्धि की कामना दी। नमाज़ अदा करने के बाद मुसलमानों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। मस्जिद परिसर में जगह-जगह मीठे पकवानों और सेवइयों का वितरण भी किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल भी तैनात रहा। ईद के मौके पर कौलारी कस्बे में खुशी और उल्लास का माहौल था। लोगों ने अपने परिवारों के साथ त्योहार की खुशियों को साझा किया और एक-दूसरे के घरों में जाकर मुबारकबाद दी। बच्चों ने नए कपड़े पहने और रिहाइशी इलाकों में एक दूसरे को ईदी भी दी।

समाजसेवी बनवारी लाल शर्मा ने इस बार ईद उल फितर के मौके पर लंगर का आयोजन किया। उन्होंने मुस्लिम समुदाय को ईद की मुबारकबाद देते हुए, सभी धर्मों के लोगों को एक साथ लाकर भाईचारे की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया। इस पाक मौके पर बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे जिनमें अकबर खान, वहीद,पप्पन, वहीदा, असगर, मुन्ना, कम्मोद, रियाजउद्दीन, राजू, रहीमुद्दीन, लक्खो, इस्लाम, साबिर, कदीर, सलीम, जमाल, सद्दीक, अध्या. राजुद्दीन, सबुआ, साबू, डॉ सोनू, डॉ पिंकू मौजूद रहे।

कर्बला वाली मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज अदा

धौलपुर। हर साल की तरह इस साल भी कर्बला वाली मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। देश में खुशहाली की दुआ की। इस मौके पर सभी लोगों ने एक दूसरों को मुबारकबाद व बधाइयां दी। इस मौके पर हाजी रहीस खा ठेकेदार (सदर), इमाम साहब सुल्तान हाजी, शहजाद हाजी, अनीस खान पठान, शम्मी भाई, अनस अली खान, आशिक खान, आदि लोग ने सभी के साथ ईद मुबारक पेश की।

शिया करबला

धौलपुर। शिया करबला मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज मौलाना मौहम्मद रजा रिजवी साहब ने अदा कराई। ईद की नमाज में इकबाल हुसैन रिजवी, ताजीम हसन रिजवी, माहिर हसन रिजवी, सगीर जाफरी, मुजफ्फर अली चांद मुन्ना, जाकिर हुसैन, फिरोज खान, हसन रिजवी, वसीम मैहदी रिजवी, हैदर शारिव हसन रिजवी, रईस जलाली, रजा जाफरी, सैफ रिजवी, रसीद अली आदि ने नमाज अदा की। इस मुबारक मौके पर देश में भाईचारा व अमन की दुआएं की गई।

धूमधाम से मनाया गया गणगौर का पर्व, मनचाहा वर के लिए कुंवारी कन्याओं ने भी रखा व्रत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» सरमथुरा.. गणगौर पर्व मनाती महिलाए।

सरमथुरा। भारतीय संस्कृति में तीज त्योहार की परंपरा अनूठी है। तीज त्योहार भारतीय संस्कृति में अलग महत्व और पहचान रखते है। ऐसा ही एक त्यौहार गणगौर का है जिसे पूजने के लिए सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्या बेसब्री से इंतजार करती हैं। होली के बाद से ही गणगौर की पूजा अर्चना का दौर शुरू हुआ और 16 दिन बाद गुरुवार को गणगौर का पर्व परंपरा और उत्साह के साथ ही श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।विशेषकर सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्या अमर सुहाग दात्रि गणगौर माता और ईसर की पूजा अर्चना करती हैं और गणगौर की कहानी सुनकर आशीर्वाद मांगती हैं कि उनके परिवार में सुख शांति हो और परिवार में तरक्की हो । तथा महिलाओं ने श्रृंगार कर फल एवं जेवर द्वारा माता पार्वती का श्रृंगार भी किया।और आटे मैदा के खाधान्न,खीर, पूरी सहित अन्य मिष्ठान चढ़ाया। और विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र तथा परिवार के सुख समृद्धि की कामना से पूजन कर व्रत किया वहीं कुंवारी बालिकाओं ने अच्छे वर की प्राप्ति की प्रार्थना को लेकर पूजन एवं व्रत किया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गणगौर भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित एक हिदू पर्व है जो महिलाओं की समृद्धि व पति की लंबी आयु की कामना के लिए मनाया जाता है। गणगौर की पूजा कर शिव पार्वती की कथा सुनाई ।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर । शहर के गांधी पार्क में भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले समस्त विभागों में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लगे कार्यरत कार्मिको ने भारतीय मजदूर संघ के आरआरएनए राजस्थान राज्य नर्सेज एसोशियन जिलाध्यक्ष लोकेश तिवारी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे सभी विभागों के कार्मिकों ने सरकार द्वारा निकाली गई भर्ती पर चर्चा करते हुये बात रखी गई कि कई कर्मचारी ऐसे है जिनको 8 से 10 वर्ष हो चुकी है। सरकार ऐसे कर्मचारियों को बोनस अंक देकर लगे हुये कार्मिकों को स्थाई करवाने की मांग को पूर्ण करने के मुद्दे की बात रखी गई। इस अवसर पर नीरज माहौर, राहुल पटवा, रमेश शर्मा, रामवरन, ललित शर्मा, नवीन खान, मूवीन खान, राजकुमार त्यागी, विजेंद्र, सोनू, सविता सहित समस्त विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो युवाओं को पदोन्नत होने व अन्य उत्कर्ष्ट सेवाओं में प्रतिभाओं का किया सम्मान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर...समाज द्वारा सम्मानित प्रतिभाएं।

धौलपुर। गोस्वामी समाज द्वारा युवाओं के अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने एवं अन्य प्रतिभाओं के सम्मान में समाजसेवी भरतगिरी के आवास पर सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि रामदयाल गोस्वामी सरपंच रहे। अध्यक्षता ओमप्रकाश गोस्वामी देवखेड़ा वालों ने की। विशिष्ट अतिथि गिर्राज गोस्वामी भाजपा नेता रहे।

समारोह में समाज ने राकेश गिरी गोस्वामी का तहसीलदार तथा शिवदत्त गोस्वामी का विकास अधिकारी बनने पर अभिनंदन किया। गोस्वामी समाज के सुरेश गोस्वामी ने बताया कि समारोह में दोनों अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया गया। कुमारी खुशी गोस्वामी पुत्री रघुनंदन पुरी लधपुरा को खेल क्षेत्र में ताइक्कांडो खेल में नेशनल लेवल पर गोल्ड मेडल जीतने पर, सामाजिक कुरीतियों के निवारण के लिए वैद्य गोपाल वन गोस्वामी, वैद्य वासुदेव गोस्वामी, रामप्रसाद गोस्वामी बाड़ी को, उत्कृष्ट समाज सेवा करने के लिए भरतगिरी अठखंबा, रामविलास गोस्वामी पिपरई, मनोजगिरी शंकरातोर को, भामाशाह के रूप मे समाज के छात्रावास निर्माण एवं अन्य कार्यो में आर्थिक सहयोग देने के लिए ओमप्रकाश गिरी, श्रीराम गोस्वामी चौराखेड़ा वालों को, समाज में शिक्षा के व्यापक प्रचार प्रसार एवं समाज के गरीब बच्चों को आर्थिक सहायता, निशुल्क कोचिंग की सुविधा देने के लिए सुरेश गोस्वामी, मुकेश गिरी व्याख्याता को, जीवन बीमा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल करने के लिए रमाकांत गोस्वामी को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में सम्मानित होने वाले तहसीलदार राकेश गिरी एवं विकास अधिकारी शिवदत्त गोस्वामी ने उपस्थित लोगों को शिक्षा के प्रति जागृत करते हुए युवाओं को कड़ी मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों एवं अन्य वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में समाज को एकजुट होकर समाज हित में कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर विष्णु भारती मचकुंड गुरुप्रसाद पाठक, रवि शर्मा, संतोष शर्मा, रामकिशोर गोस्वामी, राकेश पुरी, लक्ष्मीकांत गोस्वामी, रामगिरी, मुरारी बन, अमरीश वन, रजनीश गोस्वामी, अशोक गिरी, मुकेश पुरी, शिवराम, दिनेश पुरी, श्रीकांत, राहुल गोस्वामी, रघुनंदनपुरी सहित सैकड़ो की तादाद में गोस्वामी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश गोस्वामी ने किया।

भारतीय संस्कृति के अनुसार मनाया अपना हिंदू नववर्ष

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। हिंदू जागरण मंच खंड बाड़ी के तत्वाधान में शहर की विख्यात लवकुश बगीची आश्रम धनौरा रोड़ पर अपने भारतीय नूतन नवबर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा बिक्रम संवत् 2082 एवं नवदुर्गा घट स्थापना दिवस के पावन शुभ अवसर पर शाम को एक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाड़ी शहर के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बाड़ी शहर में संचालित धार्मिक एवं सांस्कृतिक समिति पदाधिकारी गणों का एकत्रीकरण कर कार्यक्रम को शोभायमान एवं राष्ट्रभक्ति मय कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अंजनी पाराशर द्वारा इस नवबर्ष मिलन समारोह कार्यक्रम की रूपरेखा दो चरणों में तय की गई थी। प्रथम चरण में भजन संध्या जो सनातन धर्म जागरण की प्रथम सीढ़ी है। द्वितीय चरण में संगीतकार कलाकारों एवं पत्रकार बंधुओं साथ ही समाजसेवी संस्था प्रधानों का स्वागत सम्मान एवं हिंदू जागरण मंच की जिला टोली में संघ की रचना अनुसार पांच कार्यों की घोषणा करना था। जिनको लेकर के प्रथम चरण का कार्य अपने नियत समय से आरम्भ किया गया। जिसमें सर्व प्रथम सनातन संस्कृति के अनुसार प्रमुख संगीतकार डॉ अशोक शर्मा एवं पंडित रमाकांत शर्मा द्वारा अपनी टीम के साथ श्री गणेश बंदना, मां राजराजेश्वरी कैला माता की भेंट, हनुमान चालीसा पाठ, और छ- वर्षीय बालक यस माहौर के मुखारविंद द्वारा शिव तांडव,राम नाम संकीर्तन इत्यादि किया गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ओदी का पुरा में विदाई समारोह आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर...धौलपुर वरिष्ठ अध्यापक का सम्मान करते शिक्षक

धौलपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ओदी का पुरा में वरिष्ठ अध्यापक के पद पर कार्यरत केशव देव शर्मा ने अपनी सेवानिवृत के दिन विद्यालय में सरस्वती के मंदिर निर्माण हेतु अपनी ओर से 31 हजार रुपए स्कूल प्रबंधन को भेंट किए। इस दौरान विदाई समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य कपिल देव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह में अतिथि के रूप में शिक्षाविद् जगदीश प्रसाद शर्मा, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी गंगाराम शर्मा, राजस्थान पंचायतीराज संघ के प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा, सेवानिवृत्ति वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक हरीबाबू शर्मा, प्रधानाचार्य पचगांव रामदीन शर्मा, शिक्षाविद मुन्नालाल तोमर, यज्ञपति शर्मा, वाइस प्रिंसिपल रजनी गोयल, रमाकांत शर्मा आदि मौजूद रहे। वरिष्ठ अध्यापक केशव देव शर्मा के राजकीय सेवा से सेवानिवृत होने पर स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों ने शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान व श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने एवं मधुर व्यवहार की सराहना करते हुए उनका फूल माला, पगड़ी, साल उड़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर बैंड बाजो के साथ भव्य तरीके से विदाई दी। वहीं प्राचार्य रामसेवक पटसरिया ने वरिष्ठ अध्यापक केशव देव शर्मा को सोने का उपहार देकर सम्मान किया। प्रधानाचार्य रामदीन शर्मा, कपिल देव, हरी बाबू शर्मा, राजवीर सिंह, मुन्नालाल तोमर आदि ने केशव देव शर्मा के छात्र-छात्राओं के साथ मधुर व्यवहार सभी को साथ लेकर चलने की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए युवा पीढ़ी के शिक्षकों को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत पर जोर दिया। समारोह का प्रभावी संचालन वरिष्ठ अध्यापक लक्ष्मी प्रकाश शर्मा ने किया। इस मौके पर सुनील कुमार, हरिओम, शर्मा, प्रदीप शर्मा, दीपचंद महाबर, विशंबर दयाल कुशवाह, शैलेंद्र सिंह राणा, मनीष शर्मा, भानु प्रताप सारस्वत, राजवीर सिंह, इस्लाम खान, चिंकी शर्मा, योगेंद्र शर्मा, राहुल गोयल, विनोद कुमार, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिका गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस पर स्वर साधना ग्रुप का विशेष गीत हुआ लॉन्च

बाड़ी। राजस्थान दिवस के शुभ अवसर पर स्वर साधना ग्रुप एंड क्लासेस ने एक विशेष गीत लॉन्च किया, जो प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास को समर्पित है। इस गीत के लेखक प्रसिद्ध कवि राम वकील प्रताप हैं, जिन्होंने अपनी कलम से राजस्थान की शौर्यगाथा को जीवंत किया है।

गीत को सुरों से सजाने का कार्य प्रतिभाशाली गायिकाओं राशि अग्रवाल, तनुजा बघेल और रजनी सिंघल ने किया, जिन्होंने अपनी सधी हुई आवाज़ से इसे भावनात्मक ऊंचाइयों तक पहुँचाया। संगीत के प्रति उनके समर्पण और उत्कृष्ट गायन ने इस गीत को और भी प्रभावशाली बना दिया। लोक संगीत की मिठास को बनाए रखने के लिए अमन शर्मा ने ढोलक पर बेहतरीन संगत दी, जिससे गीत में पारंपरिक और आधुनिक संगीत का अनूठा मेल दिखाई देता है। इस अनूठी प्रस्तुति का पार्ट वन वीडियो राशि सिंगल यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया गया, जिसे संगीत प्रेमियों से जबरदस्त सराहना मिल रही है। गीत लॉन्च के अवसर पर स्वर साधना ग्रुप ने कहा कि यह गीत राजस्थान की माटी की खुशबू को समर्पित है और इसे सुनकर हर राजस्थानी को गर्व की अनुभूति होगी। यह गीत सिर्फ संगीत नहीं बल्कि हमारी विरासत का सम्मान है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगा। यह गीत संगीत प्रेमियों के लिए एक अनमोल भेंट साबित हो रहा है और इसे सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। राजस्थान की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संगीत विरासत को संजोने के इस प्रयास की हर ओर सराहना की जा रही है।

राजाखेड़ा में पटवा समाज की कार्यकारिणी गठित

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा गोस्वामी पटवा समाज की महतेकी धाम मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया गया । समाज सेवी उपेंद्र कुमार उर्फ टिंकल पटवा ने बताया कि समाज युवा से लेकर बुजुर्ग तक सभी एकत्रित हुए और अपने समाज का अध्यक्ष महामंत्री और कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही युवा कार्यकारिणी घोषित हुई। सर्वप्रथम समाज की बुजुर्गों को माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। जिसमें केदार सिंह गोस्वामी, खूबचंद गोस्वामी, महावीर गोस्वामी, मूलचंद गोस्वामी, छोटेलाल गोस्वामी और इनको अपने संरक्षक के रूप में चुना। जिसमें अध्यक्ष महामंत्री और कोषाध्यक्ष का नाम समाज के समाने रखा गया। समाज के सभी लोगों ने सर्व सम्मति से उनका समर्थन कर अपना अध्यक्ष चुना। पद इस प्रकार हैं अध्यक्ष रूपसिंह गोस्वामी, उपाध्यक्ष सीताराम गोस्वामी, महामंत्री रिंकू गोस्वामी एवं कोषाध्यक्ष राकेश (लाला) गोस्वामी, युवा कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय गोस्वामी, युवा उपाध्यक्ष पंकज गोस्वामी, महामंत्री संजय गोस्वामी हाट मैदान उप कोषाध्यक्ष दिनेश गोस्वामी नयावास को बनाया गया।

संपादकीय

जल संरक्षण का संदेश, 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता

यह अच्छी बात है कि जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं लेकिन अभीष्ट की प्राप्ति तब होगी जब हर कोई अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को अपनाने में तत्परता का परिचय देगा। जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में जल संरक्षण पर जोर देकर देश की जनता को उपयुक्त समय पर एक सही संदेश देने का काम किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह जो जानकारी दी कि पिछले सात-आठ वर्षों में जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के जरिये 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता मिली, वह लोगों को उत्साहित करने और पानी की महत्ता को समझने के लिए प्रेरित करने वाली है। निःसंदेह यह किसी उपलब्धि से कम नहीं कि जल संरक्षण के उपायों के जरिये बड़ी मात्रा में पानी बचाने में सफलता मिली है और प्रधानमंत्री ने इसका उल्लेख इसलिए किया, क्योंकि उनकी सरकार ने जल संरक्षण के लिए नीतिगत स्तर पर कुछ उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति सरकारों, समाजसेवी संस्थाओं और साथ ही आम जनता की ओर से अपने स्तर पर इसलिए की जानी चाहिए, क्योंकि अपने देश में पानी को बचाने के वैसे उपाय नहीं किए जा रहे हैं जैसे आवश्यक हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि वर्षा ऋतु में बहुत सा जल बेकार चला जाता है। सरकार और समाज की कोशिश यह होनी चाहिए कि वर्षा जल का अधिकाधिक संग्रह किया जा सके, क्योंकि भारत उन देशों में प्रमुख है जहां जल संकट सिर उठाता दिख रहा है। जल संरक्षण के प्रयासों को कितनी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, इसे इससे समझा जा सकता है कि भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, जबकि उसके उपयोग के लिए उपलब्ध जल चार प्रतिशत से भी कम है। जल संरक्षण के तहत केवल वर्षा जल को सहेजने का ही काम नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्य उपायों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उदाहरणस्वरूप तालाबों का अधिकाधिक निर्माण किया जाए और परंपरागत जल स्रोतों को दूषित होने से बचाया जाए। इसके अतिरिक्त उन उपायों को प्राथमिकता के आधार पर अपनाया जाए जिनसे घरेलू कार्यों, औद्योगिक गतिविधियों और खेती में पानी की खपत को कम किया जा सके। अभी सीमित स्तर पर ही ऐसे उपाय अपनाए गए हैं। इसी कारण न केवल खेती में आवश्यकता से अधिक पानी का उपयोग हो रहा है, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों में भी। स्पष्ट है कि जल संरक्षण की चिंता पूरे वर्ष की जानी चाहिए। यह अच्छी बात है कि जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, लेकिन अभीष्ट की प्राप्ति तब होगी जब हर कोई अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को अपनाने में तत्परता का परिचय देगा। जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में होना चाहिए।

भूलने की वजह से होते हैं ज्यादातर वैवाहिक झगड़े, स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना

> परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है।

यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है। परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है। स्मृति स्वयं अभी भी एक रहस्य है, लेकिन इसमें मूल रूप से मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तन शामिल हैं जो पिछले अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना है। सिर्फ सार को समझना विशेष रूप से बदलते परिवेश में सहायक होता है, जहां कुछ यादों के खो जाने से कई तरीकों से निर्णय लेने में सुधार होता है। भूलने में विफलता के परिणामस्वरूप अवांछित या दुर्बल करने वाली यादें बनी रहती हैं। भूलने की आदत से बचने की कोशिश में कुछ लोग यादों के महल बनाते हैं। लेकिन यह याद रखने की जरूरत है कि यादों के सबसे शानदार महल को भी कूड़ेदानों की जरूरत होती है। कुछ ऐसी यादें होती हैं जो हमें नहीं चाहिए और जिनकी हमें जरूरत नहीं होती। कई बार हम अपने जीवन की कुछ बातें भूलने का सचेतन प्रयास भी करते हैं या फिर उस बात के याद आने के बाद उससे परेशान दिखते हैं। कई मामलों में भूलना केवल स्मृति के किसी अंश को याद करने में असमर्थता को दर्शाता है। मस्तिष्क की उल्लेखनीय भंडारण क्षमता से पता चलता है कि इसमें एक कुशल सूचना प्रबंधन प्रणाली है, जो 'डेटा' निपटान विधियों से सुसज्जित है। यानी अतीत के ब्योरों को जरूरत के मुताबिक मस्तिष्क सहेजता या फिर निपटाता भी रहता है। शोधकर्ता मानते हैं कि निष्क्रिय तंत्र की तुलना में 'सक्रिय' भूलना स्मृति को मिटाने में अधिक शक्तिशाली हो सकता है। सूचनाओं से भरी दुनिया में शोर को कम करने और बेकार विवरणों को त्यागने में सक्षम होना आवश्यक है, ताकि वे नई शिक्षा या विचारों तक व्यक्ति की पहुंच में बाधा न डालें। भूलने की क्षमता हमें प्राथमिकता तय करने, बेहतर सोचने, निर्णय लेने और पहले से अधिक रचनात्मक होने में मदद करती है। सामान्य भूलने की क्षमता स्मृति के साथ संतुलन में, हमें संग्रहीत जानकारी के दलदल से अमूर्त अवधारणाओं को समझने के लिए मानसिक लचीलापन देती है, जिससे हम पेड़ों के बीच जंगल देख पाते हैं। जीवन में व्यस्त रहने के साथ-साथ, मस्तिष्क को सक्रिय रूप से भूलने में मदद करने का एक और तरीका आक्रोश, द्वेष और पिछली निराशाओं को जाने देने का सचेत निर्णय लेना है। जितना अधिक हम किसी दुखद याद पर ध्यान देते हैं या यादों के आसपास की घटनाओं पर चिंतन करते हैं, स्मृति के आसपास 'न्यूरोनल संपर्क' उतने ही मजबूत होते हैं। पुरानी कहावत है- 'माफ करने के लिए हमें भूलना पड़ता है।' ज्यादातर वैवाहिक झगड़े भूलने की अक्षमता से सामने आते हैं। अगर कोई ऐसी दवा बना सकता है जो अपमान को जल्दी भुला सके, तो जीवन बेहद आनंददायक हो सकता है। यह अलग प्रश्न है कि इससे किसी का अपमान करना सामान्य व्यवहार की एक सहज गतिविधि हो जाए। मगर किसी अपमान की वजह से जीवन रुक जाए, यह भी उचित नहीं। मनोवैज्ञानिक शोधों में पाया गया है कि लगभग छप्पन फीसद जानकारी एक घंटे के भीतर, छियासठ फीसद एक दिन के बाद और पचहत्तर फीसद छह दिनों के बाद किसी न किसी रूप में भूल जाती है। भूलना उस जानकारी में कमी या बदलाव है जो पहले अल्पकालिक या दीर्घकालिक स्मृति में संग्रहीत थी। मस्तिष्क सक्रिय रूप से उन यादों को छांटता है जो अप्रयुक्त हो जाती हैं। जैसे-जैसे यादें जमा होती हैं, जो फिर से प्राप्त नहीं होती हैं, वे आखिरकार खो जाती हैं। मानव मस्तिष्क एक ऐसा 'पावर हाउस' या ऊर्जा तंत्र है जो हमारे द्वारा किए गए हर काम को यादों से जोड़ता है। यादें किसी व्यक्ति के लिए उतनी ही अनोखी होती हैं, जितनी कि उसके अंगूठे के निशान। अच्छी और स्थायी यादें बनाना जीवन में एक आशीर्वाद है। एक सुखद स्मृति हमें मुश्किल समय से गुजरने और हर चीज का सकारात्मक दृष्टिकोण से सामना करने में मदद कर सकती है। दिल को छू लेने वाली घटनाओं के साथ यादों के उद्धरण जोड़ने से उन्हें हमेशा याद रखने में मदद मिलती है। हमारी कई यादें हमें अपने प्रियजनों को याद करने और उनके द्वारा सिखाए गए सबक को याद करने की अनुमति देती हैं। यादें एक वरदान की तरह होती हैं और आपको अपने लिए एक जगह बनाने में मदद करती हैं। यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है। वही भविष्य, जो हम अभी जी रहे हैं। दूसरे शब्दों में अतीत के बिना कोई वर्तमान क्षण नहीं होता। यादें हमारे जीवन की समयरेखा पर एक प्रतीक चिह्न या 'मार्कर' के रूप में काम करती हैं। यादें वर्ष बीतने के साथ-साथ फीकी पड़ सकती हैं, लेकिन वे एक दिन भी पुरानी नहीं होती। जिस तरह कुछ यादें सहज जीवन में बाधक के रूप में काम करती हैं, उसी तरह कभी-कभी हम किसी पल का मूल्य तब तक नहीं जान पाते जब तक वह याद न बन जाए। यादें एक बगीचे की तरह होती हैं। नियमित रूप से सुंदर फूलों की देखभाल करते और आक्रामक खरपतवारों को हटाते रहना चाहिए।

सही आदर्श चुने मुस्लिम समाज, विचारशील व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए

1659 में औरंगजेब की जीत और दारा की हत्या मुगल इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। उस घटना ने न केवल मुगल साम्राज्य को एक संकीर्ण शासन की ओर मोड़ा बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप के भविष्य को भी प्रभावित किया। कई इतिहासकार इस बात को मानते हैं कि यदि दारा शिकोह सत्ता में आते तो संभवतः मुगल शासन धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समावेशिता के नए आयाम छूता। रामिश सिद्दीकी। प्रत्येक समाज को आगे बढ़ने के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। वास्तव में वैचारिक विकास के बाद ही उस समाज का विकास संभव होता है। औरंगजेब पर चर्चा आज फिर यही सवाल खड़ा कर रही है कि क्या मुस्लिम समाज में रोल मॉडल की कोई कमी रही, जो आज भी कुछ लोगों को औरंगजेब को चुनना पड़ता है? तो इसका उत्तर मिलेगा नहीं, मुस्लिम समाज में अनेक रोल माडल हैं, बल्कि स्वयं मुगल सल्तनत में भी रोल माडल थे। जैसे औरंगजेब के बड़े भाई एवं मुगल युवराज दारा शिकोह। चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी हमारे यहां मुस्लिम समाज के अनेक लोग शाहजहां के इस आध्यात्मिक बेटे से परिचित नहीं हैं। दारा को ऐश्वर्य और जंगी माहौल, दोनों ही विरासत में मिले थे। इसी के साथ उन्हें मिली थी अकबर और जहांगीर द्वारा स्थापित एक बहुसांस्कृतिक विरासत। दारा ने भारतीय उपमहाद्वीप के बौद्धिक और सांस्कृतिक तानेबाने में एक अद्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यद्यपि अक्सर उन्हें मुख्यधारा के इतिहासकारों ने अपने शोध के फुटनोट में धकेल दिया, इसके बावजूद उनकी विरासत एक प्रखर विद्वान और धार्मिक बहुलतावाद के प्रबल समर्थक के रूप में जानी जाती है। एक ऐसे समय में जब युद्ध और युद्ध के मैदान में प्रबलता सबसे बड़ा गुण माना जाता था, तब दारा ने धार्मिक विचारों की आजादी को बड़ी चीज समझा था। जहां एक तरफ दारा के भाई शाही सत्ता को कब्जाने और उसका विस्तार करने की रणनीतिक अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित करते थे, तो दारा बौद्धिक और आध्यात्मिक खोज में गहरी रुचि रखते थे। विभिन्न धर्मों को समझने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें प्रमुख संस्कृत ग्रंथों, विशेष रूप से उपनिषदों का फारसी में अनुवाद करने के विशाल कार्य को शुरू करने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली के लाल किले से लेकर वाराणसी के गंगा तट तक दारा ने अपना अधिकतम समय भारतीय अध्यात्म को समझने में लगाया। दारा शिकोह का आध्यात्मिक जगत में

सबसे महत्वपूर्ण योगदान हिंदू धर्म और इस्लाम के बीच सेतु बनाने का प्रयास था। उन्होंने हिंदू धर्मग्रंथों का गहन अध्ययन किया और 1657 में उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया, जिसे 'सिर्र-ए-अकबर' (महान रहस्य) नाम दिया गया। इस कार्य के माध्यम से उन्होंने हिंदू दार्शनिक चिंतन को फारसी और इस्लामी जगत तक पहुंचाया, जिससे बाद में यूरोपीय विद्वानों, जैसे कि शोपेनहावर को भी प्रेरणा मिली। दारा मुगल सम्राट शाहजहां के सबसे बड़े बेटे और सूफी मत के अनुयायी थे। वह सूफियों के कादिरी सिलसिले से जुड़े हुए थे। उन्होंने खुद को इस्लाम तथा हिंदू धर्म के बीच आध्यात्मिक समानताओं को खोजने में पूर्णतः समर्पित कर दिया था। उनका मानना था कि उपनिषद एक गूढ़ ज्ञान छिपाए हुए हैं, जो इस्लाम की सूफी परंपरा (तसव्वुफ) से मेल खाते हैं। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें 'मज्मा-उल-बहरैन' (दो समुद्रों का संगम) प्रमुख है, जिसमें सूफी मत और वेदांत के बीच समानताओं का विश्लेषण किया गया है। उन्होंने यह काम धार्मिक विद्वानों से संवाद, अपने आध्यात्मिक अनुभवों और धार्मिक सहिष्णुता की भावना के आधार पर किया। हिंदू पंडितों की सहायता से किया गया यह प्रयास केवल एक भाषाई अभ्यास नहीं था, बल्कि हिंदू और इस्लामिक परंपराओं के बीच बौद्धिक और आध्यात्मिक विभाजन को पाटने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी था। दारा शिकोह विभिन्न धार्मिक समुदायों को एक मंच पर लाने और संवाद को बढ़ावा देने में विश्वास रखते थे। उनके लिए धर्म केवल आस्था का विषय नहीं था, बल्कि एक ऐसा माध्यम था जिससे समाज में समरसता लाई जा सकती थी। दारा के जीवन का सबसे दुखद मोड़ तब आया, जब शाहजहां के बीमार पड़ने के बाद मुगल सल्तनत में उत्तराधिकार को लेकर संघर्ष छिड़ा। उस संघर्ष में उनका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी उनका छोटा भाई औरंगजेब था। यह केवल दो भाइयों के बीच सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि दो अलग-अलग वैचारिक दृष्टिकोणों का टकराव भी था। दारा समावेशिता, धार्मिक सहिष्णुता और बौद्धिक स्वतंत्रता के प्रतीक थे, जबकि औरंगजेब एक अधिक रूढ़िवादी और केंद्रीकृत शासन प्रणाली की ओर बढ़ रहा था। 1659 में औरंगजेब की जीत और दारा की हत्या मुगल इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। उस घटना ने न केवल मुगल साम्राज्य को एक संकीर्ण शासन की ओर मोड़ा, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप के भविष्य को भी प्रभावित किया। कई इतिहासकार इस बात को मानते हैं कि यदि दारा शिकोह सत्ता में आते, तो संभवतः मुगल शासन धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समावेशिता के नए आयाम छूता। दारा का सोच एक ऐसे समाज की ओर इशारा करता है जहां धर्म और दर्शन संकीर्ण दायरों में बंधने के बजाय आपसी संवाद और समझदारी को बढ़ावा दें। भारतीय समाज में पंथनिरपेक्षता, राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक नीतियों पर जारी बहस के बीच दारा शिकोह की विचारधारा और योगदान को फिर से समझने की आवश्यकता है। आज न सिर्फ भारतीय मुस्लिम समाज, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज को दारा जैसे विचारशील व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। एक सही रोल माडल ही समाज को बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर कर सकता है।

गिल्ली-डंडा और कंचे जैसे खेल भरेंगे बच्चों में नए रंग

> देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राचीन समय से खेले जाने वाले करीब 75 भारतीय खेलों को अब तक इस पहल के तहत चिह्नित किया गया है। इनमें खो-खो, कबड्डी व गिल्ली-डंडा जैसे ऐसे खेल भी शामिल हैं, जो अलग-अलग नामों से देश के कई हिस्सों में और दुनिया के दूसरे देशों में खेले जाते हैं।

यदि आपके बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे हैं और अब तक गिल्ली-डंडा, कंचे, कबड्डी, गुट्टी व राजा मंत्री-चोर सिपाही जैसे खेलों से परिचित नहीं हैं तो जल्द ही उन्हें इन परंपरागत प्राचीन भारतीय खेलों से परिचित होने का मौका मिल सकता है। आधुनिकता और तकनीक के इस दौर में तेजी से लुप्त हो रहे इन परंपरागत भारतीय खेलों को बचाने को लेकर शिक्षा मंत्रालय ने एक नई मुहिम शुरू की है। जिसमें देश की नई पीढ़ी को इन भारतीय खेलों से स्कूली स्तर पर ही जोड़ा जाएगा। इनमें ऐसे परंपरागत खेलों को अधिक अहमियत दी जाएगी, जो समूहों में खेले जाते हैं। माना जा रहा है कि इससे बच्चों में सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करने में मदद मिलेगी।

देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राचीन समय से खेले जाने वाले करीब 75 भारतीय खेलों को अब तक इस पहल के तहत चिह्नित किया गया है। इनमें खो-खो, कबड्डी व गिल्ली-डंडा जैसे ऐसे खेल भी शामिल हैं, जो अलग-अलग नामों से देश के कई हिस्सों में और दुनिया के दूसरे देशों में खेले जाते हैं।

मंत्रालय फिलहाल कबड्डी की तर्ज पर इन खेलों के लिए एक स्टैंडर्ड नियम-कायदे बनाने में जुटा है। इसमें इन खेलों

से जुड़े विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। अब तक कबड्डी, गिल्ली-डंडा, खो-खो और लगोरी या पिट्ठू जैसे खेलों के नियम कायदे और इसे खेलते हुए वीडियो अपलोड भी किए जा चुके हैं। बाकी खेलों को लेकर भी ऐसी तैयारी चल रही है। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, इस पहल के पीछे का उद्देश्य बच्चों को इन खेलों के जरिये भारतीय जड़ों से परिचित कराना है। इसका एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। इन खेलों से जुड़े देशभर के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान की जा रही है। स्कूलों में तैनात खेल तथा व्यायाम शिक्षकों को इसका प्रशिक्षण देने की तैयारी भी की जा रही है। यह भी बताया गया है कि स्कूलों से इसका ब्योरा मांगा गया है। इसके साथ ही इन खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए देशभर में इससे जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित करने जैसी पहल शामिल है। शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में की गई पहल को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ शब्दों में व्यक्त की अपनी राय

> विडंबना यह है कि विचारों की जिस भिन्नता की बुनियाद पर एक स्वस्थ समाज का सपना साकार हो सकता है, उसी को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और इस तरह उसका दमन करने की कोशिश की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस प्रवृत्ति को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के सामने चुनौती की तरह देखा और साफ शब्दों में कहा कि अगर विचार और राय व्यक्त करने की आजादी नहीं होगी तो सम्मानजनक जीवन जीना नामुमकिन होगा, जिसकी गारंटी संविधान के तहत दी गई है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग-अलग विचारों के प्रति भिन्न समुदायों के भीतर सहिष्णुता के लिए पर्याप्त जगह होती है। यों भी संविधान सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। किसी भी देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह होती है कि वहां अलग-अलग विचारों या मत को जाहिर करने के मामले में ऐसी बंदिशें नहीं होतीं, जिसे अभिव्यक्ति के दमन के तौर पर देखा जाए। एक वैचारिक रूप से सशक्त और परिपक्व समाज अपने विवेक के स्तर पर इतना समृद्ध होता है कि वह किसी विचार में मानवीय मूल्यों और संदर्भों को दूरगामी परिप्रेक्ष्य में देख सके।

विडंबना यह है कि विचारों की जिस भिन्नता की बुनियाद पर एक स्वस्थ समाज का सपना साकार हो सकता है, उसी को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और इस तरह उसका दमन करने की कोशिश की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस प्रवृत्ति को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के सामने चुनौती की तरह देखा और साफ शब्दों में कहा कि अगर विचार और राय व्यक्त करने की आजादी नहीं होगी तो सम्मानजनक जीवन जीना नामुमकिन होगा, जिसकी गारंटी संविधान के तहत दी गई है। गौरतलब है कि राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ सोशल मीडिया पर उत्तेजक गीत के साथ एक संपादित वीडियो पोस्ट करने के लिए गुजरात के जामनगर में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप यह था कि गाने के बोल उत्तेजक, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले हैं। मामले की सुनवाई के बाद कथित 'भड़काऊ' कविता को लेकर दर्ज प्राथमिकी को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि साहित्य, जिसमें कविता और नाटक, फिल्में, मंचीय कार्यक्रम जैसे स्टैंड-अप हास्य, तंज और कला शामिल हैं, जीवन को और अधिक सार्थक बनाते हैं। पीठ ने यह अहम टिप्पणी भी की कि हमारे गणतंत्र के पचहत्तर वर्ष के बाद भी हम इतने कमजोर नहीं दिख सकते कि सिर्फ एक कविता, कला या मनोरंजन के किसी भी रूप के प्रदर्शन से समुदायों के बीच दुश्मनी या घृणा पैदा होने का आरोप लगाया जा सकता है। जाहिर है, अभिव्यक्ति पर बंदिश के लिए जिस तरह की परिस्थितियां रची जाती हैं, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की चुनौतियां देखी जा रही हैं, वे देश में लोकतंत्र के लिए आखिरकार नुकसानदेह साबित होंगी और अदालत ने इसी को लेकर अपनी फिक्र जताई है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग-अलग विचारों के प्रति भिन्न समुदायों के भीतर सहिष्णुता के लिए पर्याप्त जगह होती है। यों भी संविधान सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। खासतौर पर बौद्धिक समाज अपने दायरे में किसी विचार के प्रति समर्थन या विरोध व्यक्त करने के लिए कई बार अलग-अलग रचनात्मक विधाओं का सहारा लेता है। उसमें कानून और संविधान के तहत मिली आजादी के दायरे में वैसा आलोचनात्मक स्वर भी हो सकता है, जो किसी न किसी रूप में देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करे। अफसोस की बात है कि कई बार शब्दों में निहित संदेशों और प्रभाव को वैसे लोगों के आग्रहों के आधार पर देखने की कोशिश की जाती है, जो नाहक ही असुरक्षाबोध से घिरे रहते हैं और किसी स्वस्थ आलोचना को भी अपने लिए खतरा मानते हैं। अगर इस तरह के अभिव्यक्तियों को दबाने के प्रयास किए जाएंगे तो वह न केवल एक स्वतंत्र समाज के विकास में बाधक बनेगा, बल्कि इससे देश के लोकतांत्रिक मूल्य भी कमजोर होंगे।

जोकोविच को हरा जैकब ने जीता मियामी ओपन

यह खिताब जीतने वाले सबसे युवा टेनिस खिलाड़ी, अपना पहला ATP टाइटल भी हासिल किया

मेड्रिड, एजेंसी। चेक रिपब्लिक के टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने सोमवार को मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। जैकब यह टाइटल जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ये 19 साल के जैकब की पहली एटीपी ट्रॉफी भी है। उन्होंने फाइनल में पहली सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-6 (4), 7-6 (4) से हराया।

उन्हें 9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली। इससे पहले मेनसिक को पिछले साल अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स में तीन सेटों से जोकोविच से हार मिली थी। मेनसिक ने टाइटल जीतने के बाद कहा, ÷जोकोविच के खिलाफ मैं यह मैच बहुत नर्वस होकर खेला था।÷

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन का फाइनल इस बार हार गए हैं। जोकोविच इस टाइटल को 6 बार जीत चुके हैं। जब 2007 में उन्होंने पहली बार ये ट्रॉफी जीती थी तब मेनसिक केवल 2 साल के थे।

100 ATP टाइटल चूक गए जोकोविच

37 साल के जोकोविच मास्टर्स 1000 में शामिल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। अगर वे फाइनल जीत जाते तो यह उनका 100वां प्रोफेशनल एटीपी टाइटल होता।

जोकोविच ने अभी तक 99 इंटरनेशनल टाइटल जीते है। वहीं अमेरिका के जिमी कोनर्स (109) और स्विस खिलाड़ी रोजर फेडरर (103) केवल दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 का आंकड़ा पार किया है।

फुटबॉल रेफरी ने कोच को जड़ी कराटे किक, वीडियो हुई वायरल

अंकैश, पेरू, एजेंसी। कोपा पेरू लीग मैच के दौरान रेफरी लुइस एलेग्रे ने हारने वाली टीम के कोच मैग्डेलेना सीईडीईसी को कराटे किक मारकर बेहोश कर दिया। कोच मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे। स्पोर्ट हुआक्विला के खिलाफ मैच के 82वें मिनट में हुई इस घटना ने दुनिया भर के दर्शकों और फुटबॉल प्रशंसकों को हैरत में डाल दिया है। दरअसल, एलेग्रे ने अपने लाइनमैन के इशारे पर मैग्डेलेना सीईडीईसी बेंच के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाया था। इस पर तनाव इतना बढ़ गया कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी की ओर भागा। एलेग्रे ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिर गया। घटनाक्रम के बाद गुस्साए खिलाड़ियों ने एलेग्रे और उसके लाइनमैन को घेर लिया, जिससे व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। किक खाया

कोच इसके बाद भी हमले करने को तत्पर रहा। मामला बिगड़ा तो मैच को स्थगित कर दिया गया। इस विवाद की फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिससे रेफरी की सुरक्षा और मैदान पर अनुशासन को लेकर गरमागरम बहस छिड़ गई है। इस दौरान एलेग्रे के मार्शल आर्ट कौशल की कुछ लोगों ने प्रशंसा की है, लेकिन रेफरी और कोच दोनों के लिए संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में सवाल बने हुए हैं।

रियान पराग पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

चेन्नई के खिलाफ स्लो ओवर रेट की सजा मिली

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर स्लो ओवर रेट के लिए BCCI ने 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। RR ने 30 मार्च को गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सीजन का 11वां मैच खेला था। इसमें राजस्थान की टीम दूसरी पारी में फिल्डिंग करने उतरी थी। टीम निर्धारित समय में 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसके बाद भी राजस्थान ने अपनी पहली जीत दर्ज कर ली थी। टीम ने CSK को 6 रन से हराया था।

हार्दिक पांड्या पर भी लगा था जुर्माना यह IPL 2025 का दूसरा स्लो ओवर रेट का मामला है। इससे पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर भी गुजरात टाइटंस के खिलाफ इसी वजह से 12 लाख का फाइन लगाया गया था। इसी वजह से उनकी टीम को मैच के आखरी ओवर में 30 यार्ड सर्कल में एक फील्डर ज्यादा रखना पड़ा था।

अब कप्तान पर स्लो ओवर रेट के कारण नहीं लगेगा मैच बैन 18वें सीजन से BCCI ने कप्तान पर मैच का बैन लगाने वाले नियम को हटा दिया है। अब स्लो ओवर रेट के कारण टीम के कप्तान पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। अब केवल मैच फीस का फाइन और फील्डिंग प्रतिबंध ही लागू किए जा रहे हैं।

रियान पराग की कप्तानी में पहली जीत मिली राजस्थान रॉयल्स ने ढ्ढक्क 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। टीम को इससे पहले शुरुआती दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ष्टस्न्य के सामने 183 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में चेन्नई की टीम 176 रन ही बना सकी।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होगा पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप 2025 के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सोमवार को एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। राजगीर के हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड में 2026 में आयोजित होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी और शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के जरिए अपना स्थान सुरक्षित करने का प्रयास करेगी। इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया ने आज बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने राजगीर की मेजबानी को लेकर कहा, 'हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर बिहार के प्रमुख खेल स्थल बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और हम टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पहलवान योगेश्वर दत्त का विनेश फोगाट पर निशाना: बोले- मुंह पर मारने की बात वाले गिड़गिड़ा रहे; सरकार ने 4 करोड़ रूपए का ऑफर दिया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार के कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट को ऑफर मिलने के बाद रेसलर योगेश्वर दत्त ने तंज कसा है। उन्होंने कांग्रेस विधायक और रेसलिंग से संन्यास ले चुकी विनेश फोगाट का नाम लिए बिना सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्ग पर लिखा है, ÷समय बहुत बलवान होता है। अहंकार में आकर सम्मान राशि को सरकार के मुंह पर मारने की बात करने वाले आज उसी राशि (पैसे) को पाने के लिए विधानसभा में गिड़गिड़ा रहे हैं।÷ दरअसल, विनेश फोगाट ने विधानसभा के बजट सत्र में अपने सम्मान को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ऐलान का मुद्दा उठाया था। उन्होंने सैनी को कहा था कि आपके ऐलान के 8 महीने बाद भी उन्हें पुरस्कार की राशि नहीं मिली है।

CM ने कहा था- सिल्वर मेडल का सम्मान देंगे

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट अपने गांव में बने स्टेडियम में बिजली, पानी और कोच की सुविधा नहीं होने का मुद्दा उठा रही थीं। ऐसे में बीजेपी के कुछ विधायकों ने उनके दावे को गलत बताया। इसके बाद विनेश ने सीएम सैनी से ही सवाल कर दिया।

विनेश फोगाट ने कहा, ÷मुख्यमंत्री ने ऐलान किया था कि उन्हें सम्मान दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विनेश ने कहा, जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची। उसके बाद जो हुआ वो परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। उस समय कई बातें की गईं, हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा।÷

उत्तर प्रदेश की अनदेखी के बाद जीशान ने IPL में छोड़ी छाप

नई दिल्ली, एजेंसी। जीशान अंसारी 2016 में 16 साल की उम्र में भारतीय अंडर-19 विश्व कप टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य थे जिस टीम के कई सदस्यों ने बाद में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। ऋषभ पंत, ईशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, सरफराज खान, आवेश खान और खलील अहमद जहां अगले स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयास कर रहे थे तो वहीं जीशान गुमनामी में खो गए। तब से उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए सिर्फ पांच रणजी ट्रॉफी मैच और एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबला खेला है। लखनऊ के हजरतगंज का यह लेग स्पिनर उस टीम में आकर्षण का केंद्र नहीं था जिसके छह खिलाड़ियों ने बाद में विभिन्न प्रारूप में भारत की सीनियर टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। वर्षों की गुमनामी के बाद रविवार की दोपहर अब 25 वर्षीय और बेहतर कद-काठी वाले अंसारी ने आईपीएल में पदार्पण करते हुए फाफ डु प्लेसिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क और लोकेश राहुल जैसे उम्दा बल्लेबाजों को आउट किया लेकिन उनकी टीम सनराइजर्स को हार का सामना करना पड़ा। जीशान गेंद को फ्लाइट करने से नहीं डरते और इससे पूर्व अंडर-19 भारतीय चयनकर्ता और उत्तर

प्रदेश के दिग्गज ज्ञानेंद्र पांडे उस समय प्रभावित हुए थे। उन्हें जूनियर राष्ट्रीय टीम के लिए चुना गया था। भारत के लिए 1999 में दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले पांडे ने कहा, 'उसे ईद से पहले ईदी मिल गई। वह काफी कड़ी मेहनत करने वाला गेंदबाज है। मैं इस बात में नहीं पड़ना चाहता कि उन्होंने इतने वर्षों में घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अधिक मैच क्यों नहीं खेले लेकिन वह मेरठ मैवरिक्स के लिए यूपी टी20 लीग में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और इसी कारण सनराइजर्स हैदराबाद के स्काउट्स ने उन्हें चुना। हजरतगंज में एक दर्जी के बेटे जीशान ने 5 रणजी मैच में 17 विकेट लिए जो कि शानदार प्रदर्शन तो नहीं हैं लेकिन फिर भी 2020 से किसी भी प्रारूप में मौका नहीं मिलने से सवाल उठ सकते हैं। उत्तर प्रदेश के एक अन्य पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, 'कुलदीप (यादव) अधिकतर समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त रहता था लेकिन पता नहीं क्यों हमारे कोच सुनील जोशी (भारत के पूर्व स्पिनर) को इस लड़के में कुछ खास नहीं दिखा।% उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि अब उसे कुछ खास मिलेगा। मेरा मानना ??है कि विप्पी (दिल्ली कैपिटल्स के विपराज निगम) और जीशान दोनों एक साथ उत्तर प्रदेश के लिए खेल सकते हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में जीशान को लगभग 12 साल की उम्र में कलाई की स्पिन का पहला पाठ पढ़ाने वाले उनके बचपन के कोच गोपाल सिंह ने कहा कि उनके शिष्य के लिए यह बहुत ही विचित्र स्थिति बन गई थी। गोपाल ने कहा, '2016 में अंडर-19 विश्व कप से वापस आने के बाद उसने रणजी ट्रॉफी खेली और अच्छा प्रदर्शन किया। अगले सत्र में उसने एक भी मैच नहीं खेला, अंडर-19 या अंडर-23 भी नहीं। उसने रणजी ट्रॉफी खेली थी इसलिए लोगों ने सोचा कि उसे अंडर-19 में वापस क्यों जाना चाहिए लेकिन फिर उसे सीनियर टीम के लिए भी नहीं चुना गया।

व्यापार

आज से लागू हो रहा बजट, 6 बड़े बदलाव

टैक्स स्लैब में बड़ी राहत, नौकरीपेशा लोगों को रूपए 75 हजार का अतिरिक्त फायदा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नया बजट आज 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगा। यानी, 1 फरवरी को सरकार ने बजट पेश करते हुए जो ऐलान किए थे उन पर काम शुरू होगा। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है।

6 बदलाव जो कल से लागू होंगे...

1. टैक्स स्लैब में बदलाव: 20 से 24 लाख की इनकम के लिए नया स्लैब

क्या बदलाव हुआ है: न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25% टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है।

असर क्या होगा: पहले 30% की अधिकतम दर 15 लाख रुपए से ऊपर की आय पर लागू होती थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 24 लाख रुपए कर दी गई है। इससे मध्यम और उच्च-मध्यम आय वर्ग को कर में बचत होगी।

2. TDS लिमिट की सीमा बढ़ी: रूपए 6 लाख तक की रेंटल इनकम पर टैक्स नहीं

क्या बदलाव हुआ है: कुछ भुगतानों पर TDS (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) की सीमा को बढ़ाया गया है...

रेंट से होने वाली इनकम पर TDS छूट दोगुनी : रेंट से होने वाली इनकम पर TDS की सीमा रूपए 2.4 लाख से बढ़कर रूपए 6 लाख हो गई है।

वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज आय पर छूट दोगुनी : बैंक FD से ब्याज आय अर्जित करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए TDS सीमा रूपए 50 हजार से बढ़कर रूपए 1 लाख हो गई है।

प्रोफेशनल सर्विस पर TDS सीमा में बढ़ोतरी: प्रोफेशनल सर्विस पर TDS की सीमा अब 30 हजार से बढ़कर 50 हजार हो गई है।

असर क्या होगा: इससे कम आय वाले व्यक्तियों पर TDS का बोझ कम होगा और नकदी प्रवाह में सुधार होगा।

3. TCS लिमिट की सीमा बढ़ी: विदेश में पढ़ाई के लिए रूपए 10 लाख तक भेजने पर टैक्स नहीं

क्या बदलाव हुआ है: विदेश में पढ़ाई के लिए पैसा भेजने पर टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (TCS) की लिमिट अब 7 लाख रुपए से बढ़कर 10 लाख रुपए हो गई है। वहीं अगर पैसा किसी

फाइनेंशियल आर्गनाइजेशन जैसे बैंक आदि से लोन लिया गया हो TCS नहीं लगेगा।

असर क्या होगा: TCS हटने से छात्रों और उनके परिवारों दोनों को फायदा होगा। पहले 7 लाख से ज्यादा कि राशि पर 0.5%-5% TCS कटता था। इससे ट्रांसफरिंग प्रोसेस थोड़ी हेक्टिक बन जाती थी। वहीं अब दूसरे छोर पर 10 लाख रुपए तक की पूरी राशि पहुंच पाएगी।

4. अपडेटेड रिटर्न भरने के लिए ज्यादा समय: 48 महीने तक दाखिल कर सकेंगे

क्या बदलाव हुआ है: अब टैक्सपेयर्स असेसमेंट ईयर के अंत से 24 महीने के बजाय 48 महीने तक अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। इसकी कुछ शर्तें हैं...

24 से 36 महीने के बीच दाखिल रिटर्न पर 60% अतिरिक्त टैक्स।

36 से 48 महीने के बीच दाखिल रिटर्न पर 70% अतिरिक्त टैक्स।

असर क्या होगा: इससे करदाताओं को अपनी गलतियों को सुधारने के लिए अधिक समय मिलेगा। स्वैच्छिक अनुपालन भी बढ़ेगा। यानी, किसी व्यक्ति या संगठन का अपनी मर्जी से नियमों, कानूनों का पालन करना।

5. यूलिप पर कैपिटल गेन टैक्स: रूपए 2.5 लाख से ज्यादा प्रीमियम कैपिटल एसेट माना जाएगा

क्या बदलाव हुआ है: यदि यूलिप यानी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान का प्रीमियम प्रति वर्ष 2.5 लाख रुपए से अधिक है, तो इसे कैपिटल एसेट माना जाएगा। ऐसे यूलिप को भुनाने से होने वाले किसी भी फायदे पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। यूलिप एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसमें प्रीमियम का एक हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है।

यदि इसे 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है, तो इस पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) के रूप में 12.5% रूपए टैक्स लगेगा।

यदि इसे 12 महीने से कम समय तक रखा जाता है, तो इस पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (STCG) के रूप में 20% टैक्स लगेगा।

असर क्या होगा: उच्च प्रीमियम वाले ULIP में निवेश करने वालों को अब टैक्स देना होगा। सरकार ने ये बदलाव हाई-इनकम टैक्स पेयर्स को यूलिप को टैक्स-फ्री इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में उपयोग करने से रोकने के लिए किए हैं। यूलिप प्रीमियम का एक बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है, इसलिए सरकार का तर्क था कि इसे ट्रेडिशनल इंश्योरेंस की तरह टैक्स छूट नहीं मिलनी चाहिए।

6. सस्ता-महंगा: कस्टम ड्यूटी बदलने का 150-200 प्रोडक्ट पर असर

क्या बदलाव हुआ है: सरकार ने फरवरी में पेश किए गए बजट में कुछ प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी और कुछ पर बढ़ाई थी। इससे करीब 150-200 प्रोडक्ट प्रभावित होंगे। आम तौर पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2025 से कस्टम ड्यूटी में हुए बदलाव लागू होते हैं।

हालांकि कुछ बदलावों की लागू होने की तारीखें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के नोटिफिकेशन पर निर्भर करती हैं। जैसे, पिछले बजट में कुछ कस्टम ड्यूटी बदलाव (जैसे मोबाइल फोन और कीमती धातुओं पर) 24 जुलाई 2024 से लागू हुए थे।

असर क्या होगा: कुछ चीजें सस्ती और कुछ महंगी हो सकती है। कस्टम ड्यूटी के घटने-बढ़ने का इनडायरेक्ट असर चीजों की कीमतों पर पड़ता है।

आइटम जो सस्ते हो सकते हैं:

40 हजार डॉलर से ज्यादा कीमत या 3 हजार CC से ज्यादा की इंजन क्षमता वाली आयातित कारें।

CBU यूनिट के रूप में आयातित मोटरसाइकिलें जिनकी इंजन क्षमता 1600 CC से अधिक नहीं है।

36 लाइफ सेविंग दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटाने से क्रिटिकल ट्रीटमेंट की कॉस्ट कम हो जाएगी।

EV सस्ते हो सकते हैं। सकार ने बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए 35 कैपिटल गुड्स की ड्यूटी हटा दी है।

मोबाइल फोन बैटरी प्रोडक्शन के लिए 28 कैपिटल गुड्स को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई।

आइटम जो महंगे हो सकते हैं:

स्मार्ट मीटर सौर सेल, आयातित जूते, आयातित मोमबत्तियां, आयातित नौकाएं और अन्य जहाज, PVC फ्लेक्स फिल्म्स, PVC फ्लेक्स शीट्स, PVC फ्लेक्स बैनर, निटिंग प्रोसेस से बना कपड़ा, LCD/LED टीवी

बजट में जिन योजनाओं की घोषणा हुई थी उनका फायदा कब से मिलेगा?

सामाजिक कल्याण योजनाएं जैसे किसानों के लिए नकद सहायता, महिलाओं के लिए स्कीम्स, या रोजगार योजनाओं का फायदा जून-जुलाई से मिलना शुरू हो सकता है।

सड़क, रेल, या स्कूल-हॉस्पिटल जैसी परियोजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इनके लिए योजना, टेंडर और निर्माण की प्रक्रिया होती है।

22 बिलियन डॉलर से जीरो तक गिरी बायजूस: बायजू रवींद्रन ने कहा - हम फिर उठेंगे, पुराने कर्मचारियों को वापस लाएंगे

मुंबई, एजेंसी। कर्ज में डूबी एडटेक कंपनी बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने कहा है कि वे जल्द ही कंपनी को रिलॉन्च करेंगे। रवींद्रन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट में अपनी पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, %टूटे थे, टूटे नहीं हैं। हम फिर से उठेंगे। मुझे अपने छात्रों की आंखों की चमक याद है।

एक समय बायजूस देश का सबसे बड़ा एडटेक स्टार्टअप था। 2022 तक इसकी वैल्यू 22 बिलियन डॉलर यानी, करीब 1.88 लाख करोड़ रुपए थी, लेकिन फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट और अन्य समस्याओं के कारण 2024 में कंपनी की नेटवर्थ

जीरो हो गई।

बायजू ने कहा कि एक बार फिर जब हम अपनी कंपनी को रिलॉन्च करेंगे, जो मुझे लगता है कि उम्मीद से पहले ही हो जाएगा - तो विशेष रूप से हम अपने पुराने लोगों को हायर करेंगे। मेरा अति-आशावादी होना कुछ लोगों को पागलपन लग सकता है, लेकिन यह मत भूलिए कि नंबर एक बनने के लिए आपको अलग और अजीब होना पड़ता है।

कुछ भी उतना अच्छा नहीं होता जितना लगता है, न ही उतना बुरा जितना आपको विश्वास दिलाया जाता है। सच्चाई आमतौर पर कहीं बीच में होती है। इसलिए मैं पिछले 20 सालों के बारे में बात करने आया हूं- अच्छे 17, बुरे 2 और बदसूरत 1, कोई फिल्टर नहीं, केवल तथ्य।

निसान-रेनो जॉइंट वेंचर की बची हुई हिस्सेदारी खरीदेगा रेनो ग्रुप: निसान मोटर कॉर्प के साथ यह डील होगी

मुंबई, एजेंसी। रेनो ग्रुप ने सोमवार (31 मार्च) को ऐलान किया है कि वह जॉइंट वेंचर रेनो निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (RNAIPL) की बची हुई 51% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। वर्तमान में यह हिस्सेदारी निसान मोटर कॉर्प के पास है। यह कदम उनकी पार्टनरशिप के चल रहे रिस्ट्रक्चरिंग यानी पुनर्गठन का हिस्सा है। दोनों ऑटोमेकर अपनी क्रॉस-शेयर-होल्डिंग में बदलाव करने पर भी सहमत हुए हैं, जिसके तहत अब दोनों पक्षों के पास अपनी हिस्सेदारी 15% से घटाकर 10% करने का ऑप्शन होगा।

यह ट्रांजैक्शन रेगुलेटरी अप्रूवल्स के अधीन है और मई 2025 के आखिरी तक पूरा होने की उम्मीद है। अधिग्रहण के बाद RNAIPL रेनो ग्रुप के फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स में पूरी तरह से जुड़ जाएगी। इसके साथ ही निसान की इंडिया यूनिट की पूरी 100% हिस्सेदारी रेनो ग्रुप हासिल कर लेगा।

निसान में अपनी 18.66% हिस्सेदारी बनाए रखेगा रेनॉल्ट

रेनो एक फ्रांसीसी ट्रस्ट के जरिए निसान में अपनी 18.66% हिस्सेदारी बनाए रखेगा। जुलाई 2023 में साइन किए गए निवेश समझौते को समाप्त करते हुए निसान को एम्पीयर में इन्वेस्ट करने के अपने कमिटमेंट से मुक्त कर दिया जाएगा।

रेनो ग्रुप को निसान के प्रदर्शन में सुधार करने में दिलचस्पी

रेनो ग्रुप के CEO लुका डी मेओ ने कहा, अलायंस में निसान के लॉन्ग-टर्म पार्टनर और इसके मुख्य शेयरहोल्डर के रूप में रेनो ग्रुप को निसान के प्रदर्शन में सुधार करने में गहरी दिलचस्पी है।

अमेजन-नोकिया के बीच पेटेंट विवाद सुलझा: दोनों कंपनियों ने एक दूसरे के खिलाफ मुकदमे वापस लिए; वीडियो टेक्नोलॉजी पेटेंट पर मतभेद था

मुंबई, एजेंसी। फिनलैंड की टेक कंपनी नोकिया ने अमेजन के साथ वीडियो टेक्नोलॉजी से जुड़ा पेटेंट विवाद सुलझा लिया है। सोमवार को नोकिया ने बताया कि दोनों कंपनियों के बीच एक पेटेंट समझौता हुआ है। इसके तहत अमेजन अब स्ट्रीमिंग सर्विसेज और डिवाइसों में नोकिया के वीडियो पेटेंट्स का इस्तेमाल कर पाएगा। इस समझौते के बाद

दोनों कंपनियों ने एक दूसरे के खिलाफ दायर मुकदमे वापस ले लिए हैं। हालांकि कंपनियों ने समझौते की शर्तें गुप्त रखी हैं। विवाद की शुरुआत अक्टूबर 2023 में हुई थी। तब नोकिया ने अमेजन पर यूके, जर्मनी, भारत, अमेरिका और यूरोप के पेटेंट कोर्ट में केस दायर किया था। अमेजन पर प्राइम वीडियो और डिवाइसों में नोकिया के वीडियो कंप्रेशन, कंटेंट डिलीवरी, रिकमेंडेशन और हार्डवेयर से जुड़े पेटेंट्स का बिना अनुमति इस्तेमाल का आरोप था।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन, राज्यपाल बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की शिरकत

राजस्थानी कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत अल्बर्ट हॉल पर आयोजित राज्यस्तरीय सांस्कृतिक संध्या में शिरकत की।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को प्रदेशभर में राजस्थान दिवस उत्साह एवं उमंग से मनाया गया। सभी जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें जनसमूह ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन हुआ और प्रदेशवासियों ने अपने घरों पर दिए जलाकर राजस्थान दिवस हर्षोल्लास से मनाया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस बार से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन राजस्थान दिवस मनाने की घोषणा की है। शर्मा ने कहा है कि संवत् 2006 (30 मार्च 1949) को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया था।

सांस्कृतिक संध्या में राजस्थानी कलाकारों ने अल्बर्ट हॉल के मंच पर गौरवशाली कला के रोचक रंगों को उकेरा। रवींद्र उपाध्याय, आकांक्षा शर्मा, मधु भाट, पीयूष पवार, करनबीर बोहरा एवं मांगणियार ग्रुप ने प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। साथ ही, कत्थक तथा फोल्क डांस फ्यूजन की भी प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में भव्य आतिशबाजी भी की गई।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, जनप्रतिनिधिगण, शासन सचिव पर्यटन एवं कला-संस्कृति रवि जैन सहित अन्य अधिकारीगण एवं भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

राजस्थान में 2 से 4 अप्रैल के बीच बारिश होने की संभावना: 11 जिलों के लिए अलर्ट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» फाईल फोटो

जयपुर। राजस्थान में उत्तरी हवा के असर से सुबह-शाम की ठंडक बरकरार है। रविवार को राज्य के तीन शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। प्रदेश में अगले दो दिन इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान है। 2 अप्रैल से राजस्थान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके असर से प्रदेश में 2 से 4 अप्रैल के बीच बादल छाने और बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने 2 अप्रैल को 7 जिलों और 3 अप्रैल को 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान के अधिकांश शहरों का मौसम ड्राय रहा। इस दौरान उत्तरी हवा शनिवार की तुलना में रविवार को थोड़ी कमजोर रही। इसके चलते कई शहरों के दिन के तापमान में 1 से लेकर 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज हुआ।

जयपुर में कल दिनभर आसमान साफ रहा, लेकिन शाम होने के साथ हल्के बादल छा गए। जयपुर में कल दिन में गर्मी कम रही और अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

फतेहपुर, बारां में रात में सर्दी तेज

दिन में गर्मी कम रहने और सुबह-शाम ठंडी हवा चलने के कारण कल फतेहपुर, बारां, माउंट आबू में रात में सर्दी तेज रही। इन शहरों में कल न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे कम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके अलावा माउंट आबू (सिरोही) में 9.4 और बारां में 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए शीघ्र निस्तारण के निर्देश

परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन खुश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा संवेनदशीलता के साथ जनता की समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान आमजन ने भजनलाल शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनने की ओर राजस्थान- कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सोमवार, को राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव निवेश उत्सव- राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.0 में शामिल हुए।

इस अवसर पर मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार राजस्थान के आर्थिक और औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी बड़ी योजना को धरातल पर लाने के लिए अनेक विभागों का समन्वय आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि नीतियों को बदलना आसान होता है, लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना और व्यावहारिक रूप देना चुनौतीपूर्ण कार्य है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने पहले ही वर्ष में 3 लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर उतारकर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, विनिर्माण, एमएसएमई सहित कई क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं और सरकार इसे वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। राजस्थान सरकार ने सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया है, जिससे निवेशकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हर दो महीने में एमओयू की प्रगति की समीक्षा करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक निवेश परियोजना धरातल पर तेजी से उतरे।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में सरकारी और निजी क्षेत्रों में मिलाकर 4 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन की योजना पर काम किया जा रहा है। मजबूत सरकार ही हर समस्या का समाधान निकालती है और राजस्थान को 30 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक जो विकसित भारत का सपना देखा है राजस्थान उसमें अपनी बड़ी भूमिका निभाएगा।

कर्नल साहब ने कहा कि राजस्थान सरकार स्थिर, पारदर्शी और मजबूत नेतृत्व के साथ निवेशकों को राजस्थान में आकर्षित कर रही है। राजस्थान बेहद जल्द एक वैश्विक निवेश हब बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

जयपुर से दिल्ली, कोटा और सीकर जाना होगा महंगा: 7 टोल बूथ पर रात 12 बजे से बढ़ जाएगा टैक्स

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर से दिल्ली, कोटा और सीकर आना-जाना कार, बस व ट्रक ड्राइवरों के लिए महंगा हो जाएगा। सात टोल बूथ पर टैक्स चार्ज बढ़ाए हैं। नई टोल रेट सोमवार रात 12 बजे से लागू होंगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जयपुर रिंग रोड पर एक टोल बूथ, अजमेर-दिल्ली बाइपास पर दौलतपुरा बूथ, जयपुर-दिल्ली ओल्ड हाईवे पर मनोहरपुर व शाहजहांपुर टोल पर दरों में इजाफा किया है। इससे पहले जयपुर-किशनगढ़ हाईवे पर भी टोल टैक्स बढ़ाया जा चुका है।

नई रेट के मुताबिक शाहजहांपुर टोल पर अब कार ड्राइवरों को 190 की जगह 200 रुपए देने होंगे। मनोहरपुर टोल बूथ पर कार के लिए रेट नहीं बढ़ी है। हल्के कॉमर्शियल व्हीकल और बस-ट्रक को ज्यादा टोल टैक्स देना होगा।

दौलतपुरा टोल पर कार की रेट 75 से बढ़ाकर 80 रुपए की गई है। वहीं, बस-ट्रक की रेट 260 से बढ़ाकर 265 की गई है। वहीं, हल्के कॉमर्शियल वाहन की रेट नहीं बढ़ाई गई है।

जयपुर से फागी जाना हुआ महंगा

जयपुर से फागी और मालपुरा जाने पर भी ज्यादा टोल लगेगा। राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है। जयपुर से फागी जाने के लिए कार ड्राइवर को पहले की तरह 110 रुपए, जबकि हल्के कॉमर्शियल व्हीकल को 160 की जगह 165 रुपए और बस-ट्रक चालकों को 330 की जगह 335 रुपए का टोल टैक्स देना होगा।

रिंग रोड पर बढ़ाई दरें

जयपुर में आगरा बाइपास से अजमेर बाइपास को जोड़ने वाली 47 किलोमीटर की रिंग रोड पर अब कार ड्राइवर को सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर 60 की जगह 65 रुपए देने होंगे। बस-ट्रक चालक को 205 की जगह 215 रुपए टोल टैक्स देना होगा।

जयपुर में मिलेगी आईएएस व आरएएस की फ्री कोचिंग 15 मई तक करना होगा ऑनलाइन आवेदन

किसी भी राज्य का स्टूडेंट आवेदन के लिए पात्र

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। उन छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है, जो उच्च प्रशासनिक सेवाओं यथा-आईएएस, आईपीएस, आरएएस बनने का सपना देख रहे हैं, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। उन्हें अब जयपुर की एक संस्था यूपीएससी और आरपीएससी फ्री कोचिंग देगी। इसके लिए छात्रों को एक प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। इससे पहले उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण होगा, जिसका कोई शुल्क नहीं है। देश की सबसे बड़ी निःशुल्क कोचिंग, निःशुल्क पुस्तक योजना एक पहल इंडिया ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई है।

निःशुल्क कोचिंग, निःशुल्क पुस्तक योजना के तहत, आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने 12वीं की परीक्षा पास कर ली है, मुफ्त कोचिंग दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को पुस्तकालय और कोचिंग पूरी तरह से निशुल्क दी जाएगी। फ्री कोचिंग के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। चयन के पश्चात 15 मई-2025 से कोचिंग प्रारंभ होगी। एक पहल इंडिया के डायरेक्टर देव अमित सिंह ने बताया कि निःशुल्क कोचिंग में ऑनलाइन आवेदन करने के लिए नियमानुसार एक सामान्य वर्ग के स्टूडेंट को ष्टस्श्व की तैयारी करने के लिए उसके 8वीं, 10वीं व 12वीं में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। स्नातक में 50 प्रतितश अंक होने चाहिए। इसके साथ ही 8वीं, 10वीं, 12वीं व स्नातक में औसत 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। आरक्षित वर्ग के साथ महिला अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत अंक की छूट मिलेगी।

चयन प्रक्रिया

योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 3000 सीटों के लिए चयन किया जाएगा। इसमें 60 प्रतिशत सीटें छात्राओं और 40 प्रतिशत सीट छात्रों के लिए आरक्षित रहेंगी। इसमें से 75 प्रतिशत सीट ग्रामीण और 25 प्रतिशत सीट शहरी छात्रों के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षित कैटिगरी वाइज भी सीटों का वर्गीकरण होगा।

कैसे करें आवेदन

निशुल्क कोचिंग योजना के लिए एक पहल इंडिया के ऑफिशियल टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन करके दिए गए गूगलफॉर्म को भरकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साक्षात्कार और सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यों में अभिरुचि क्षमता की लिखित परीक्षा के आधार पर होगा चयन होगा। चयन हेतु साक्षात्कार और लिखित परीक्षा में कुल सीटों का 5 गुना छात्र एवं छात्राओं को सम्मिलित किया जाएगा।

ये रहेगी कोर्स अवधि

निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रत्येक कोर्स की अवधि अलग-अलग रखी गई है। इसमें सीएसई परीक्षा के तीनों चरणों- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार स्तर की तैयारी निशुल्क करवाई जाएगी। सीएसई प्रतियोगियों के कोर्स की अवधि 24 माह रहेगी।

आदिवासी समाज नें प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत को बचाने का काम किया - मीना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। कुशल प्रशासक, आदिवासी और पिछड़े वर्ग की आवाज़ को अपने साहित्य के माध्यम से बुलंद करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार डॉ हरिराम मीणा का अमृतोत्सव यहाँ राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सभागार में मनाया गया। वरिष्ठ साहित्यकारों नंद भारद्वाज और डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल के कृतित्व व व्यक्तित्व पर आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला में यह आयोजन डॉ. मीना पर केन्द्रित रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मीणा पर मोनोग्राफ़ हरिराम मीणा (व्यक्तित्व और कृतित्व) का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए राही सहयोग संस्थान की अध्यक्ष कविता मुखर ने संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए एवं पुलिस सेवा में उनके सहयोगी मित्रों लक्ष्मण बोलिया और रामजीलाल मीणा ने संस्मरण सुनाते हुए बताया कि डॉ. मीणा के लेखन में यह प्रयास रहा कि भावी पीढ़ी को कैसे बेहतर बनाया जाए।साहित्यकार राघवेन्द्र रावत, डॉ.राजाराम भादू, विनोद भारद्वाज, डॉ.दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, इंद्रकुमार भंसाली, नीरज रावत, कृष्ण कल्पित, डॉ.सूरज पालीवाल, प्रो सत्यनारायण और नंद भारद्वाज ने डॉ. हरिराम मीणा के कृतित्व पर चर्चा करते हुए रेखांकित किया कि आदिवासी विमर्श साहित्य को संकुचित दायरे में बांध कर मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए। वहीं हरिराम मीणा ने अपने सृजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासियों को समाज से पृथकता की पीड़ा और उससे उपजे प्रतिशोध को अभी भी सही अभिव्यक्ति नहीं मिली है। उन्होने कहा कि आदिवासी समाज नें प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत को बचाने का काम किया है। आदिवासी समाज ने सदैव प्रकृति का संरक्षण किया और उससे जरूरत से ज्यादा नहीं लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ हेतु भारद्वाज ने की । संस्थान के सचिव साकार श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक डॉ. मीणा के चार काव्य संग्रह, तीन यात्रा वृत्तांत, तीन उपन्यास के अतिरिक्त अनेक संस्मरण और विश्लेषात्मक पुस्तकें आ चुकी हैं। इनमें से उपन्यास धूणी तपे तीर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं और इस पर शोध किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र मोहन शर्मा ने किया।

जेलों में गलत कामों की जानकारी देने पर होगा प्रमोशन, डीजी ने निकाले आदेश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान की जेलों में चल रही अवैध गतिविधियों की सूचना देने पर अब जेल कर्मियों को इनाम दिए जाएंगे। अति महत्वपूर्ण सूचना देने वाले का प्रमोशन भी किया जाएगा। डीजी जेल गोविंद गुप्ता ने 29 मार्च को ये आदेश जारी किए हैं।

आदेश में लिखा है अगर कोई भी जेल का कर्मचारी डीजी जेल मुख्यालय पर व्यक्तिगत या अन्य किसी माध्यम से जेल में चल रही अवैध गतिविधियों (मोबाइल, सिम और नशे) की जानकारी देता हैं। जांच में वह साबित हो जाती है तो ऐसे जेलकर्मी को डीजी जेल की ओर से इनाम दिया जाएगा। साथ ही अति महत्वपूर्ण सूचनाएं देने पर प्रहरी और मुख्य प्रहरियों को विशेष पदोन्नति दी जाएगी।

मोबाइल फोन की रोकथाम के लिए विशेष कदम

डीजी जेल गोविंद गुप्ता ने बताया- जेलों में मोबाइल का इस्तेमाल रोकने के लिए तकनीकी निगरानी बढ़ा दी गई है।

कोटा होकर सांगानेर (जयपुर)-पुणे के बीच 12 ट्रिप साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। रेलवे द्वारा गर्मियों की छुट्टियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान मे रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु पुणे-सांगानेर (जयपुर)-पुणे स्पेशल रेल सेवा (12 ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 01433, पुणे-सांगानेर (जयपुर) साप्ताहिक स्पेशल दिनांक 09.04.25 से 25.06.25 तक (12 ट्रिप) पुणे से प्रत्येक बुधवार को 09.45 बजे रवाना होकर कोटा रात 02.05 बजे आगमन कर गुरूवार को 05.40 बजे सांगानेर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01434, सांगानेर (जयपुर)-पुणे साप्ताहिक स्पेशल 10.04.25 से 26.06.25 तक (12 ट्रिप) सांगानेर से प्रत्येक गुरुवार को 11.35 बजे रवाना होकर कोटा 15.00 बजे आगमन कर शुक्रवार को 09.30 बजे पुणे पहुंचेगी। इस गाड़ी में 01 सैकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, 04 द्वितीय साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 22 कोच होगें। गाड़ी के हाल्ट- यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सांगानेर से पुणे के मध्य सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, वड़ोदरा, अंकलेश्वर, सूरत, बलसाड़, पालघर, वापी, वसई रोड़, कल्याण, करजत एवं लोनावाला स्टेशनों पर रूकेगी।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोटा सौरभ जैन ने बताया कि सीजन में स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

सबसे बड़ा पाप मिथ्या भाषण

एसके मंगल

कोई हमसे झूठ नहीं बोले यह सब चाहते हैं, मगर हम सबसे झूठ बोलतै है। यानी कोई हमसे झूठ नहीं बोल यह सब चाहते हैं हर कोई यह चाहता है कि कोई भी उनसे झूठ न बोले। यानी कि लोग हमारे साथ सच बोलें। मगर हम सब से झूठ बोलतै है, लेकिन हम सभी खुद दूसरों से झूठ बोलते हैं। यह मानवीय स्वभाव की सच्चाई को उजागर करता है। हम सभी चाहते हैं कि हमारे साथ ईमानदारी बरती जाए और कोई हमें धोखा न दे, लेकिन जब बात खुद की आती है, तो हम दूसरों से सच छिपाने या झूठ बोलने में संकोच नहीं करते। यह विचारोत्तेजक कथन है जो हमारे व्यवहार में विरोधाभास को दर्शाता है। यानी हर कोई चाहता है कि कोई उनसे झूठ न बोले, लेकिन हम सभी झूठ बोलते हैं। यह वाक्य अपने व्यवहार पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम वही करते हैं जो हम दूसरों से अपेक्षा करते हैं। झूठ को सबसे बड़ा पाप इसलिए माना जाता है क्योंकि इसके प्रभाव व्यक्तिगत, सामाजिक और नैतिक स्तर पर गहरे और नकारात्मक होते हैं। इसे विस्तार से समझें। झूठ बोलने से सबसे पहला असर यह पड़ता है कि लोगों के बीच विश्वास खत्म हो जाता है। चाहे वह परिवार, दोस्ती या किसी अन्य रिश्ते की बात हो, विश्वास एक मजबूत नींव की तरह होता है। जब कोई झूठ बोलता है, तो यह नींव कमजोर पड़ जाती है, और लोग एक-दूसरे पर भरोसा करना बंद कर देते हैं। झूठ के कारण व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ती है। एक छोटा झूठ भी समय के साथ बड़े झगड़े या अलगाव का कारण बन सकता है। जब लोग सच के बजाय छल का सहारा लेते हैं, तो आपसी समझ और प्यार कम हो जाता है। समाज एक ऐसी व्यवस्था है जो आपसी भरोसे और सहयोग पर टिकी होती है। जिसे झूठ तोड़ता है। अविश्वास को बढ़ावा देता है। लोग एक-दूसरे की बातों पर यकीन नहीं करते, तो सामाजिक तनाव और संघर्ष बढ़ता है, जो समाज की पूरी संरचना को कमजोर करता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अंतरात्मा को चोट पहुंचाता है। झूठ के बाद उसे अपराधबोध और बेचैनी महसूस होती है जो मानसिक शांति को भंग कर देती है। इन कारणों से झूठ को सबसे बड़ा पाप माना जाता है।

बैंकॉक में रह रहे श्यामप्रेमी और बड़े व्यवसाई अशोक टिबडेवाल ने सुनाई आंखोदेखी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। बैंकॉक, म्यांमार, दुबई, कंबोडिया, सिंगापुर और वियतनाम के बड़े व्यवसाई और श्री खाटू श्याम बाबा के अनन्य भक्त और दुनिया भर में मशहूर आशरो ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन अशोक टिबडेवाल जी पर बाबा श्याम की असीम कृपा हुई है। शुक्रवार को बैंकॉक और म्यांमार में आए भीषण भूकंप के दौरान श्री अशोक टिबडेवाल जी बैंकॉक के अपने अपार्टमेंट में मौजूद थे और बाबा के आशीर्वाद से वे सकुशल हैं।

श्याम सेवादार राजेश भारद्वाज से फोन पर हुए वार्तालाप में अशोक टिबडेवाल ने बताया कि, शुक्रवार को आए भूकंप के दौरान वे बैंकॉक में अपने टावर की 19वीं मंजिल के अपने अपार्टमेंट में लेटे थे और भूकंप आने पर वे पूरे समय बाबा श्याम का नाम लेते रहे और उनकी बिल्डिंग को कुछ भी नहीं हुआ और बाबा के आशीर्वाद से वे सुरक्षित बने रहे। इसके अलावा म्यांमार में स्थित उनके 2 ऑफिसों के आसपास की सभी इमारतें ध्वस्त हो गई लेकिन उनके आफिसों को कुछ भी नहीं हुआ। श्री अशोक टिबडेवाल जी का कहना है कि ये बाबा की कृपा और आशीर्वाद का कमाल है कि इतने भीषण भूकंप के बावजूद वे पूरी तरह से सकुशल हैं। अशोक टिबडेवाल श्री खाटू श्याम मंदिर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महाराज श्री प्रताप सिंह चौहान के भी बेहद प्रिय हैं। मैं सभी श्यामप्रेमियों को बताना चाहता हूं कि इस कलियुग के समय में बाबा का डंका पूरी दुनिया के गूंज रहा है और वो अपने भक्तों को पूर्ण रूप से संभाल रहे हैं। गौरतलब है कि म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई है।

हजारों लोगों की उपस्थिति में आचार्य वसुनंदी महाराज ने पदमपुरा में जैनेश्वरी दीक्षा की प्रदान

त्रिकाल चौबीसी 72 समवशरण विधान का मंत्रोच्चार से विधिवत हुआ समापन

जैन सन्तो की गहन साधना की कृपा जैन समुदाय पर बरस रही - जवाहर सिंह बेढम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा की पावन धरा पर दिगंबर जैन आचार्य वसुनंदी महामुनिराज ससंघ सानिध्य में अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भूत-भविष्य-वर्तमान त्रिकाल चौबीसी 72 समवसरण विधान का विधि विधान हवन व मंत्रोच्चार के साथ समापन हुआ तो वही इस अवसर पर दो जैनेश्वरी दीक्षाएं भी संपन्न हुई। धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार तीन दिवसीय आयोजन के अंतिम सोपान में हजारों श्रावकों की उपस्थिति में आचार्य वसुनंदी महाराज ने जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की तो समूचा पांडाल जयकारा जिन देव का जय जय जिनदेव से गूंज उठा। इस अवसर पर आचार्य ने कहा कि वर्तमान भोग काल में विलासितापूर्ण जीवन मानव द्वारा व्यतीत किया जा रहा है ऐसे में वैराग्य धारण करना बड़ा ही दुर्लभतम कार्य है। उपस्थित लोगों को सन्तों के आहार विहार में यथासम्भव सहयोगी बन पुण्यार्जन करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम व पूर्व प्रधान पंचायत समिति कामां रविन्द्र जैन जुरहरा का पदमपुरा कमेटी के अध्यक्ष सुधीर जैन, महामंत्री हेमंत सोगानी के साथ धर्म जागृति संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव जन्म कल्याणक के उपलक्ष में प्रतियोगिताएं आयोजित करने का कार्य राजस्थान सरकार ने किया है जिसके लिए संपूर्ण जैन समाज उनका धन्यवाद ज्ञापित करती है। इस मौके पर भगवान ऋषभदेव जन्मकल्याणक पर राजकीय सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग दोहराई गयी। उध्बोधन देते हुए गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि जैन सन्तो की गहन साधना की कृपा जैन समुदाय पर बरस रही है। उन्होंने अतिशीघ्र ऋषभदेव जन्मकल्याणक पर अवकाश का आश्वासन भी प्रदान किया। कार्यक्रम में आचार्य द्वारा ऐलक दयानंद महाराज को दीक्षा प्रदान कर मुनि शुद्धा नंद महाराज व सहज प्रकाश भैया ब्रह्मचारी टिटपुरी कठूमर निवासी को दीक्षा प्रदान कर क्षुल्लक प्रबुद्धा नंद महाराज नामकरण किया गया। वही उपस्थित समुदाय द्वारा दीक्षा की अनुमोदना की गई तो दीक्षार्थियों को नवीन पिच्छिका,कमण्डलु,शास्त्र व जाप्य माला प्रदान कर सौभाग्य अर्जित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज शास्त्री,संजय शास्त्री,इंद्रा बड़जात्या, संजय जैन बड़जात्या कामां,बिजेंद्र आलोक शास्त्री ने किया। इस अवसर पर,आई ए एस निशांत जैन, एडीएम जयपुर देवेंद्र जैन ,अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल , मानद् मंत्री सुभाष चन्द जैन, कोषाध्यक्ष विवेक काला, श्रमण संस्कृति संस्थान के प्रमोद पहाड़िया , सौरभ जैन सहित अनेको गणमान्य व श्रावक श्रेष्ठियों सहित कामां, कठूमर, खेड़ली, लक्ष्मणगढ़, महवा, गाजीपुर, अजमेर, भरतपुर, मुरैना, दिल्ली, उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश सहित जयपुर के हजारों श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे।

सायंकाल अजमेर की ओर हुआ मंगल विहार

प्रचार-प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सायंकाल आचार्य श्री ससंघ का अजमेर की ओर मंगल विहार हो गया। इस मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच आचार्य संघ को गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय तक जुलूस के रूप में मंगल विहार करवाया। आचार्य संघ का रात्रि विश्राम तीतरिया ग्राम में हुआ।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में दीपक एडवरटाइजिंग द्वारा शानदार ग्रोथ दर्ज

प्रिंट मीडिया बिजनेस में भारी उछाल- दीपक जेठा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

इन्दौर। मध्यभारत की नं. 1 मीडिया व क्रिएटिव एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में शानदार व्यवसायिक वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक जेठा ने बताया कि लगभग सभी कैटेगरी में वृद्धि हुई पर सबसे ज्यादा वृद्धि ज्वेलरी, एजुकेशन, लाइफ स्टाइल, ऑटोमोबाइल और गवर्नमेंन्ट सेगमेंट ने की है। रियल स्टेट भी अपने दो वर्ष पूर्व की तेजी को पाने के लिये प्रयास कर रहा है। आने वाले वित्तीय वर्ष में भी प्रिंट मीडिया का बोलबाला रहने की उम्मीद उन्होने व्यक्त की है। कॉल फॉर एक्शन कम्युनिकेशन के लिए प्रिंट मीडिया को उन्होने सर्वाधिक प्रभावशाली बताया।

उल्लेखनीय है कि एडवरटाइजिंग वर्ल्ड में स्थापित ब्रांड बन चुकी दीपक एडवरटाइजिंग एजेंसी अब तक 190 नेशनल व इंटरनेशनल अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी हैं, जिसमें 17 बार एजेंसी ऑफ द ईयर का अवॉर्ड शामिल हैं। दीपक एडवरटाइजिंग INS, CBC और प्रसार भारती में अधिकृत मध्यभारत की एकमात्र विज्ञापन एजेंसी है।

मांगी अचन चैन की दुआ, खुदा की बारगाह में झुके सर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। चाकसू में ईद उल फित्र का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोग सुबह जल्दी उठकर ईद की नमाज से पहले फजर की नमाज अदा की। वहीं ईदगाह में सुबह नौ बजे शहर काजी हाफिज याकूब नागौरी व हजरत पीर जलाल शाह मस्जिद में सुबह सवा नौ बजे हाफिज हाशिम ने ईद की नमाज अदा करवाई। इसके अलावा क्षेत्र के आजमनगर, कोटखावदा व रसूलपुरा में भी ईदुल फितर की नमाज अदा हुई। नमाज के बाद खुतबा पढा गया और वतन में अमनोचैन की दुआ मांगी गई। बाद में लोगों ने एक दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद दी। वहीं बच्चे बडों से ईदी लेना नहीं भूले। इसके बाद घरों में दावतों का सिलसिला चला। दरगाह पर प्रशासन की ओर से चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने भी मुस्लिम भाइयों को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। वक्फ कमेटी के सदर व पूर्व पालिकाध्यक्ष अब्दुल हमीद खोखर, पार्षद हाजी मेहराज खान, पूर्व पाषद ईशाक देशवाली, वक्फ कमेटी के पूर्व सदर हाजी बुंदू नागौरी, शहजाद नागौरी, हाजी जुमरदीन, मजीद नद्दाफ, सनवर खान, मुस्लिम नौजवान कमेटी के अध्यक्ष आमीन खान, खलील नीलगर, इरफान खत्री, इरशाद खोखर, नूर खान, रहीश हम्माल, अनीश लुहार, सलीम खान, इलियास भट्टी, हमीद डैडी, पार्षद शाहिद खिलजी, आसिफ हुसैन, पार्षद अमजद खान, हाजी शफीक, पार्षद वसीम खान, फरहा तौसिफ खान ने ईद की मुबारकबाद दी। वहीं दूसरी ओर ईदगाह पर व्यवस्था के लिए तैनात अधिकारियों एडीसीपी पूनमचंद विश्नाई, एसीपी सुरेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी मनोहर लाल व शिवदासपुरा थाना प्रभारी बृजमोहन कविया का मुस्लिम महासभा के अध्यक्ष इकबाल भाटी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। फागी चौराहा, वकील जी का खुर्रा, लाभियों की गली व गोदामों के पास शर्बत व ठंडे पानी की छबीलें भी लगाई गई।

लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट संपन्न

गिर्राज सिंह खड़का रहे टूर्नामेंट के प्रो-ग्रॉस विनर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। रामबाग गोल्फ क्लब में दो दिवसीय लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट (मंथली मेडल - प्रथम) का पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। टूर्नामेंट में गिर्राज सिंह खड़का प्रो-ग्रॉस विनर और अभ्युदय रावत प्रो-ग्रॉस रनर-अप रहे। वहीं अमैच्योर ग्रॉस विनर का खिताब मोहित गोठवाल और अमैच्योर ग्रॉस रनर-अप का पुरस्कार अभय मालावत ने जीता। पुरस्कार समारोह में अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह के पोते, विजय सिंह; पूर्व कैप्टन कमलाकर शर्मा; रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह; मानद सचिव, समृद्ध शर्मा और टूर्नामेंट संयोजक, डॉ. हिमांशु शर्मा सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। हैंडीकेप्स श्रेणियों में विजेता और उपविजेता इस प्रकार रहे- हैंडीकैप कैटेगरी (00-09) में अर्जुन कुच्छल विजेता और हृदान सरावगी उपविजेता रहे; हैंडीकैप कैटेगरी (10-16) के विजेता रोहित स्वामी और उपविजेता आशुतोष वशिष्ठ थे और हैंडीकैप कैटेगरी (17-24) धृषवराज विजेता और विकास धमामी उपविजेता रहे। टूर्नामेंट में बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में विजेता प्रदीप मेहरा और उप विजेता सुनील सिंह रहे। वहीं बेस्ट लेडी गोल्फर के विजेता का पुरस्कार नितिका जडेजा ने हासिल किया और उपविजेता वृंदा सैनी रहीं। इसी प्रकार, सीनियर लेडी गोल्फर श्रेणी में डॉ अंजलि जैन विजेता बनीं। इसी प्रकार अन्य श्रेणियों में विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं- नियरेस्ट टू पिन के विजेता संजय फोफालिया और सुनील सिंह; लॉन्गेस्ट ड्राइव के विजेता मनोविराज सिंह और मोहित गोठवाल और विमंस लॉन्गेस्ट ड्राइव- की विजेता इति चौधरी रहीं। इसी तरह स्ट्रेटेस्ट ड्राइव के लिए पुरस्कार कुणाल सिंह ने जीता।

मीना सपेरा और उनकी टीम ने राजस्थान दिवस पर दी शानदार प्रस्तुति

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के उत्सव ऑडिटोरियम में राजस्थान दिवस के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कलाकार मीना सपेरा, राहुल सोलंकी और उनकी टीम द्वारा दी गई अद्भुत प्रस्तुतियां रहीं। इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि कालबेलिया समाज के 10 वर्षीय 50 बच्चों ने केसरिया बालम, दम दम मस्त कलंदर और बिछड़ों जैसे प्रसिद्ध गीतों पर मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां दीं। इसके अलावा, मीना सपेरा ने अपने उत्कृष्ट कालबेलिया नृत्य से दर्शकों को मोहित कर दिया, जबकि राहुल सोलंकी ने कबीर के दोहों और सूफी फ्यूजन पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में आध्यात्मिकता का रंग भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रवीण दत्ता रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में आनंदपाल सिंह तोमर, रतन नाथ कालबेलिया, गौरव शर्मा, मदन मोहन पालीवाल और चिल आउट कैफे से अजीत जी शामिल रहे।

कार्यक्रम का मंच संचालन दीपक पवार जी ने किया। वहीं, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने सभी विशिष्ट अतिथियों और मुख्य अतिथि का माला और साफा पहनाकर सम्मान किया। अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों की कला की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन राजस्थान की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं को समर्पित था, जिसने दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया और लोक कला की उत्कृष्टता को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया।

मुरलीपुरा मातृशक्ति फाउंडेशन के तत्वाधान में गणगौर का त्यौहार मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस/ जयपुर। अध्यक्ष सुनीता भारद्वाज ने बताया कि गणगौर हमारे राजस्थान का बहुत ही प्रसिद्ध त्यौहार है इसमें महिलाएं इसर गणगौर (शिव - पार्वती) की पूजा 16 दिन तक बड़े ही लाड चाव करती है द्य गणगौर के गीत नृत्य महिलाएं बहुत सुंदर प्रस्तुति देती है इस अवसर पर संस्था के कई पदाधिकारीगण निशा कानूनगो,अंजू झालानी, किरण पांडे, सविता खंडेलवाल , स्नेहा खंडेलवाल, पिंकी गुप्ता, मानसी गुप्ता, चेतन गुप्ता, अनीता सोनी, सुषमा सेन, ममता यादव आदि उपस्थित रही

एन. के. पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार-वितरण समारोह सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। एन. के. पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एन. के. शिक्षण संकुल के प्रबन्ध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच व निदेशक श्री कुलदीप सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इसके पश्चात् सभी अध्यापकां एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर उत्तम शिक्षण-प्रणाली हेतु नवीन योजनाओं पर दृष्टिपात किया। छात्र विशेष शर्मा ने माध्यमिक परीक्षा-2024 में 98.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया एवं कक्षा-11वीं (विज्ञान संकाय) में 92.70 प्रतिशत अंक अर्जित कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत होने के कारण सभी अभिभावक संतुष्ट नजर आ रहे थे। साथ ही विद्यालय का गौरव और प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले व SOF Olympiad में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनके परिणाम-पत्रक उन्हें उपाधि स्वरूप प्रदान किये गए। उपाधि ग्रहण करने हेतु उपलब्ध करवाये गए गाउन व कैप में बच्चें बहुत ही हर्षित नजर आ रहे थे।

विद्यालय में आयोजित सह-शैक्षिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों की भी सराहना की गई व इसके साथ ही कक्षा में सौ प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करवाने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। अध्यापकों के समक्ष सभी विद्यार्थियों ने अपने अध्ययन को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प जताया।

अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी के अन्तर्गत शिक्षण संकुल के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच ने विद्यार्थियों के सफल जीवन की कामना करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका से परिचय करवाया। विद्यालय के निदेशक श्री कुलदीप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''यह तो सफलता की प्रथम सीढ़ी है'' विद्यार्थियों को नित नई सीढ़ी पर चढ़कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा ने समय प्रबंधन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थी जीवन में उसकी आवश्यकता और सदुपयोग पर विचार व्यक्त किए।

सरुपगंज के मोमिनों ने की ईद-उल-फितर की नमाज़ अदा

सरूपगंज। कस्बे में ईद-उल-फितर की नमाज़ अकीदत के साथ अदा की गई जिस के बाद मुस्लिम समाज के लोगो ने एक साथ अल्लाह की बारगाह में हिन्दुस्थान के अमनों आमाल व खुशहाली के लिए हाथ उठा कर दुआ मांगी । प्राप्ति जानकारी के अनुसार सरूपगंज में ईद उल फितर की नमाज़ कस्बे के जामा मस्जिद के पेश इमाम दिन मोहम्मद कादरी साहब ने सरूपगंज के ईदगाह में सोमवार को सुबह 9 बजे ईद की नमाज़ अदा कारवाई । सरुपगंज के पेश इमाम साहब ने नमाज़ से पहले तकरीर करते हुए कहाँ इस्लाम धर्म हमेसा मोहब्बत ओर भाई चारे से रहकर अपने वतन से मोहब्बत करने का पैगाम देता है ओर उन्होंने कहा गरीबों की मदत किया करो गरीब को एक रुपया देने से अल्लाह 70 नेकी देता है ज़िंदगी में हमे नेकी जरूर करनी चाइये ओर हमेसा गरीब व हरूरत मंदो की मदत करनी चाइये । इसी के साथ नमाज मुकम्मल होने के बाद सभी ने एक दूसरें को गले लगा कर मुबारकबाद पेश की ओर सर जमीने हिन्दुस्थान के अमनों आमाल व खुशहाली के लिए एक साथ हाथ उठा कर दुआ मांगी । पुलिस का जाब्ता भी रहा तैनाद । मुस्लिम समाज के लोगों ने पुलिस व प्रशासन का किया शुक्रिया अदा ।

चाँद दिखने के बाद मनाई जाती है ईद उल फितर

रविवार को चाँद देखा गया ओर रोज़े मुकम्मल हुए जिस के बाद सोमवार को पूरे देश मे ईद की नमाज़ अदा की गई जिस में मुस्लिम समाज के लोगों की भारी भीड़ रही ।

अपना दल (एस) की बैठक में डॉ अखिलेश पटेल ने उठाई ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भोपाल। अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई की महत्वपूर्ण बैठक हाल ही में को इंदौर में आयोजित की गई। राष्ट्रीय समिति के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक का नेतृत्व राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम ने किया, जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव युवा मंच डॉ. अखिलेश पटेल भी शामिल रहे। बैठक में प्रदेश भर के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की गई। राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अखिलेश पटेल ने केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि "सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी के लिए आरक्षण को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, डॉ. पटेल ने निजी क्षेत्र की चौथी श्रेणी की नौकरियों में भी 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इन नौकरियों में अक्सर आउटसोर्सिंग के जरिए भर्तियां की जाती हैं, जिसमें आरक्षण का पालन नहीं किया जाता। उन्होंने सरकार से अपील की, कि ओबीसी वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। बता दें कि उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल अपना दल (एस) मध्य प्रदेश में भी अपनी जड़ें मजबूत कर रहा है। इस बैठक के माध्यम से पार्टी ने उन अटकलों पर भी लगाम लगा दी हैं जिसमें प्रदेश से पार्टी के निष्क्रिय होने की बात कही जा रही थी। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, ओबीसी आरक्षण और सामाजिक समरसता की मुखर समर्थक रही हैं। पार्टी ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कई मुद्दों को उठाया है और वंचित वर्गों की आवाज़ को बुलंद किया है।

अब कटरा से श्रीनगर की यात्रा होगी मात्र 3 घंटे में

वंदे भारत से इस रूट पर अब यात्रा होगी आसान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस/ जयपुर। USBRL परियोजना के पश्चात अब कई सालों का इंतजार खत्म हो जाएगा। जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत चलने से कई घंटों की समय बचत होगी। कटरा से श्रीनगर कि यात्रा अब केवल 3 घण्टे में होगी। अभी सड़क से यात्रा में 6 से 7 घंटे लगते है। फिलहाल वंदेभारत को कटरा से श्रीनगर के बीच चलाने की योजना बनायी गयी है। अभी वैली में श्रीनगर से लेकर संगलदान तक ट्रेनों का आवागमन होता है। अब , संगलदान से कटरा तक रेललाइन चालू होने के बाद इन ट्रेनों को कटरा तक चलाया जा सकता है। USBRL परियोजनाः वर्ष 2009 में काजीगुंड-बारामूला सेक्शन शुरू हो गया था। वर्ष 2013 में 18 किलोमीटर बनिहाल-काजीगुंड सेक्शन, वर्ष 2014 में 25 किलोमीटर ऊधमपुर-कटरा, वर्ष 2023 में बनिहाल से संगलदान और अब संगलदान से कटरा के बीच शुरू होने वाली है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज- चिनाब ब्रिज इस परियोजना का हिस्सा है।

दुधवा में 11 अप्रैल को निकलेगी इलेक्ट्रॉनिक्स झांकिया

बाय। दूधवा गांव में 12 अप्रैल शनिवार को पूर्णिमा को 26 वां हनुमान जन्मोत्सव बालाजी चौक में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। बजरंग मंडल दुधवा के कार्यकर्ताओं व मनोज अग्रवाल ने बताया कि 11 अप्रैल को शाम 7:00 बजे से 9:00 बजे तक मनमोहक इलेक्ट्रॉनिक झांकियां दिखाई? जाएगी । जिसमें श्री गणेश जी महाराज , महाकाल पूजा , कुंभ स्नान प्रयागराज, सीता की अग्नि परीक्षा,राधा रमण, प्रेमानंद जी महाराज, शंकर पूजा, शिव काली, क्रांतिकारी धीर सिंह जैसी अनेक प्रकार की झांकियां दिखाई जायगी । वही रात्रि में ? कुलदीप ओझा एंड पार्टी जोधपुर द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी जिसमें डांसर कलपीत द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी जायगी 12 अप्रैल को सुबह 7:00 बजे से सुंदरकांड पठन , हवन व वैदिक मंत्रों का उच्चारण होगा । इसके बाद 4 बजे से विशाल शोभायात्रा निकलेगी ।

जिलेभर में हर्षोल्लास से मनाई ईद, ईदगाह और अन्य मस्जिदों में अदा की गई नमाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर/बाड़ी/राजाखेड़ा। धौलपुर के ईदगाह और अन्य मस्जिदों में अदा की गई ईद की नमाज, खुदा की बारगाह में एक साथ झुके हजारों सिर शहर काजी मतीन खान गौरी ने अदा करवाई ईदगाह में ईद की नमाज। इस अवसर पर लोगों ने आपस में गले मिलकर एक दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद। ईदगाह में राजनीतिक लोगों ने जगन भवन से दुष्यंत व मलायिका अशोक शर्मा, अमित मुदगल, श्यामू पंडित सहित कई लोगों ने शहरकाजी को माला पहनाकर उनका स्वागत किया और ईद की मुबारक बाद दी। शहर की मस्जिदों, ईदगाह में शांति से नमाज अता की गई। प्रशासन की देखरेख में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। मुस्लिम समुदाय के पाक रमजान महीना पूर्ण होने पर ईद उल फितर का त्यौहार मनाया गया। जिसके चलते धौलपुर सहित जिले भर में ईद का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईद की नमाज होने के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन चैन शांति भाईचारे की दुआ मांगी गई। ईदगाह में नमाज से पहले अतर फारुकी ने दीनी तकरीर कर लोगों को जानकारी दी। हजारों लोगों ने नमाज के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी।

» धौलपुर ...जीटी रोड स्थित ईदगाह में नमाज अदा कराते शहरकाजी मतीन खां गौरी।

» धौलपुर ...जीटी रोड स्थित ईदगाह में नमाज के बाद शहरकाजी को बधाई देते नेतागण।

विधायक रोहित बोहरा ने दी ईद की मुबारकबाद

सामूहिक नमाज अता की। जिसमें शाही जामा मस्जिद के इमाम मौलाना जफर अली ने नमाज अता कराई। नमाज के बाद ईदगाह में राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा,नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह जादौन, पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार तोमर, रवि सिकरवार और शैलू कंसाना ने मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर मौलाना जफर अली के साथ आसिफ पठान, इस्ताक अली, आमिर खान, अफसर पठान, शकील खान,आजाद अब्बासी, सोनू पठान, सोहिल खान, रूसो खान सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

» राजाखेड़ा..ईद के मौके पर मुबारकबाद देते विधायक रोहित बोहरा।

राजाखेड़ा। कस्बे में सोमवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । ईद के मुबारक मौके पर मुस्लिम समाज में खुशियों का आलम देखने को मिला। ईदगाहों में सवेरे नमाज के वक्त ईद की रौनक और खुशी हर चेहरे पर साफ झलक रही थी। लोगों ने नमाज अता कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी और एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। साथ ही छोटे बच्चों और जरुरतमंदों को ईदी दी। मुस्लिम घरों में सवेरे से ही मेहमानों का आना जाना लगा रहा। सुबह साढ़े आठ बजे शाही जामा मस्जिद ईदगाह में हुई नमाज में पूरे समाज ने एक साथ के देखते ही मुस्लिम भाइयों ने खुदा की खिदमत में सर झुकाए और ईद उल फितर की एक दूसरे को मुबारकबाद दी। इसके बाद हर घर में ईद के त्यौहार को लेकर तैयारियां शुरू हो गई। शहर के मुस्लिम समाज से जुड़े विभिन्न मोहल्लों में सजावट की गई और आतिशबाजी के साथ ईद का स्वागत किया गया। शहर की एक दर्जन से अधिक मस्जिदों और ईदगाह में ईद की मुख्य नमाज अदा की गई और मुस्लिम भाईयो ने एक दूसरे को मीठी ईद की मुबारकबाद दी।

बाड़ी

बाड़ी। रमजान के एक महीने की रोजों के समापन पर रविवार की शाम आसमान में चांद दिखा तो हर मुस्लिम भाई के चेहरे पर उल्लास छा गया,चांद रोजे पूरे होते हैं और चांद दिखता है तो मीठी ईद मनाई जाती है। जो मुस्लिम समाज का सबसे बड़ा त्यौहार है। ऐसे में समाज मे इस ईद का हर आम और खास को इंतजार रहता है।

» बाड़ी...ईदगाह में नमाज अदा करते मुस्लिम लोग।

विधायक और पूर्व विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने दी ईद पर मुबारकबाद

विधायक जसवंत गुर्जर, पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा सहित जनप्रतिनिधियों ने ईद पर मुस्लिम भाइयो को मुबारकबाद दी है। इस दौरान शहर की इस्लामिया मदरसा मस्जिद, लुहार बाजार मस्जिद, सदर बाजार मस्जिद, अजीजपुरा मस्जिद, नूरानी मस्जिद गुमट,कीडी मस्जिद, बटवाल पाड़ा मस्जिद, अलीगढ़ रोड मस्जिद, मामू-भांजा तुलसिवन रोड़, हथियापोर, राना खां, पीलू मस्जिद, इमाम बाग सरमथुरा रोड़, ईदगाह मस्जिद, और घंटाघर स्थित शाही मस्जिद एवं तमाम जाप्ता विभिन्न मोहल्ला और शहर की मुख्य मस्जिदों पर तैनात रहा।

रमजान के बाद ईद का आगमन, ऐसे में विशेष उल्लास

हिजरी संवत में नवा महीना रमजान का होता है। जिसे सबसे पवित्र माना जाता है। इस महीने में मुस्लिम भाई सुबह से शाम तक रोजा रखते हैं और बिना खाए-पिए रहते हैं। प्रयास यह रहता है की सिर्फ खुदा की इबादत में ही पूरा दिन निकले। ऐसे में जब बसेड़ी रोड़ स्थित ईदगाह में ईद की मुख्य नमाज अदा की गई और देश में अमन-चैन एवं खुशहाली की दुआ की गई।

पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में आयोजन

ईद उल फितर के त्योहार पर पुलिस और प्रशासन एलर्ट मोड पर रहा। एसडीएम भगवत शरण त्यागी, तहसीलदार उत्तम चंद बंसल,कोतवाली एसएचओ अमित शर्मा, सीओ महेंद्र कुमार के साथ

एक दर्जन मस्जिदों में हुई मुख्य नमाज अदा

बाड़ी शहर की एक दर्जन मस्जिदों में ईद की मुख्य नमाज अदा की गई। मस्जिदों में मौलवियों ने नमाज अदा कराई और मुस्लिम भाइयों को रमजान के बाद आई ईद की ढेरों बधाइयां दी। इस दौरान मौलाओ ने मस्जिदों के बाहर गरीबों की मदद करने, तबर्रुफ़ बांटने और सामर्थ्य अनुसार ईदी देने के लिए भी आह्वान किया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन अहमद जमा खां,पूर्व चेयरमैन इरफान अहमद, मुस्लिम समाज के सैफ शहीद, इसरार खां टेलर सहित कांग्रेस बीजेपी के पदाधिकारी और समाजसेवी मौजूद रहे।

» सरमथुरा...सम्मानित प्रतिभाओं के साथ मौजूद अतिथि।

दीवानपुरा में एसबीजीबीटी ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

शिक्षा से गांव के बदले हुए स्वरूप की दिखी तस्वीर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सरमथुरा। सरमथुरा उपखंड के गांव दीवानपुरा में सोच बदलो-गांव बदलो अभियान के अंतर्गत शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता-2025 के मेधावी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को शील्ड, प्रमाण पत्र और स्कूल बैग प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही प्रतिभागी विद्यार्थियों को ज्योमेट्री बॉक्स प्रदान कर हौसला बढ़ाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मानसिक रूप से तैयार करना है।

इस अवसर पर गांव दीवानपुरा और खैमरी के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उनके द्वारा ग्रामोत्थान के प्रयासों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पधारे टीम के कार्यकर्ताओं,गांवों के बुजुर्ग व पंच पटेलों और महिलाओं ने बच्चों को पुरस्कार प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता 2 फ़रवरी को दीवानपुरा सर्किल मुख्यालय पर आयोजित की गई जिसमें गांव दीवानपुरा के साथ-साथ खैमरी और पदमपुरा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के आयोजन और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में तीनों गांवों के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भूमिका निभाई।

शिक्षा और जनसहभागिता से बदल रही गांव की दिशा- महावीर

टीम के स्थानीय कार्यकर्ता एवं सर्किल कोऑर्डिनेटर महावीर मीना ने बताया कि गांव दीवानपुरा में पिछले दो वर्षों में ग्रामोत्थान विकास समिति के द्वारा कई सकारात्मक कार्य किए गए हैं जिनमें शिक्षा,जलापूर्ति, नशा मुक्ति, और सामाजिक कल्याण इत्यादि शामिल हैं। गांव के कर्मचारी एवं अन्य ग्रामीणों के सहयोग से किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि गांव के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क अतिरिक्त शिक्षण क्लासेस चलाई जा रही हैं; ताकि शिक्षा का स्तर ऊंचा उठ सके। गांव में पानी की समस्या को मद्देनजर रखते हुए बोरवेल और पानी की टंकी का निर्माण करके सामुदायिक सहभागिता से समस्या का समाधान निकाला गया। गांव के युवाओं द्वारा समय-समय पर टंकी की सफाई और रखरखाव भी किया जाता है। युवाओं में नशे की लत को दूर करने हेतु नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत गांव में नशा उन्मूलन के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं हैं। गांव के कर्मचारियों द्वारा रास्तों,गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर एलईडी बल्ब लगाए गए हैं; ताकि अंधेरे से निजात मिल सके। उन्होंने बताया कि गांव की विधवा और बेटियों को शादी,भात इत्यादि में आर्थिक मदद भी ग्रामोत्थान विकास समिति द्वारा दी जा रही है।

गांव के युवा साथी इस सोच के साथ काम कर रहे हैं कि उनका गांव न केवल शिक्षा में, बल्कि सामाजिक सुधार में भी जिले भर में एक आदर्श बने। गांव वालों के सामूहिक प्रयासों से दीवानपुरा गांव एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है, जहां शिक्षा, सामाजिक सुधार और विकास के प्रयास निरंतर जारी हैं।

शैक्षिक उत्थान के लिए जनसहभागिता जरूरी- राजवीर मीना

बरौली निवासी राजवीर मीना ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सभी व्यापारियों,पत्थर व्यवसायियों एवं संपन्न वर्ग से सरमथुरा और बाड़ी के उत्थान केन्द्रों के लिए आर्थिक सहयोग देकर क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने के सोच बदलो-गांव बदलो टीम के प्रयासों को गति देने की अपील की। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को समझाया और प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रेरणादायक विचार साझा किए। आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता के संयोजक भगवान दास उमरेह ने प्रतियोगिता के स्वरूप, प्रक्रिया और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एरिया कोऑर्डिनेटर रविन्द्र खैमरी, कार्यकर्ता डॉ अमिताभ, रूपसिंह, नरेश पवैनी, अनिल मडासिल,अजमेर सिंह,राजू खैमरी, रघुवीर, बंटी, मुन्नालाल, जयराम, गजराज सिंह, राजू, शिवशंकर, राजेन्द्र, अजय, लक्षीराम, मनोज, रामेश्वर एवं अन्य कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे।

मनियां: धूमधाम से निकली गणगौर शोभायात्रा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मनियां। कस्बे में चल रहे ऐतिहासिक गणगौर मेले में सोमवार शाम को मेला कमेटी की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ा। शोभायात्रा थाने के सामने से मुख्य अतिथि राजाखेड़ा भाजपा प्रत्याशी नीरजा अशोक शर्मा ने गौरा गौरी के डोले की पूजा अर्चना करते हुए हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा को रवाना किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि मेला संस्कृति की धरोहर है, जिसे सजा कर रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मनियां में लगने वाले गणगौर मेला पुरानी संस्कृति को याद दिलाता है। इस तरह के आयोजन से लोगों में आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। पारंपरिक तरीके से मनाई जाने वाले गणगौर मेले का शुक्रवार को लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ लुफ्त उठाया और देर रात्रि तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची रही। मेला हर साल आमजन के सहयोग से निकाला जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन घरों में महिलाएं गौरा गौरी की पूजा अर्चना कर व्रत रखती हैं। गणगौर मेला कमेटी अध्यक्ष रिंकू पोसवाल ने बताया कि में 31 झांकी और 16 बैंड ओर 6 डीजो के साथ गणगौर शोभायात्रा निकाली गई है।

उसके बाद थाने के पास से शाम 5 बजे झांकियां शुरू हुई जो जीटी रोड, मांगरोल रोड, मेन बाजार, गांधी पार्क, नेहरु मार्ग एवं अंबेडकर पार्क होते हुए थाने के पास पहुंची। जहां शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान हाईवे और मेन बाजार में शाम को हजारों की संख्या में दर्शक झांकियां देखने उमड़ पड़े तथा स्थानीय लोगों के साथ साथ उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों से भी लोग मेला देखने आए। झांकियों के आगे बैंड बाजे वाले धुन बजाते हुए चल रहे थे, जिन पर लोग नृत्य करते नजर आए। इस अवसर पर सुमन जैन राकेश कल्लू सेठ पिंकी ठाकुर कौशल पाराशर शिवा तिवारी राधे दीक्षित कुमार केदार पोसवाल कृष्ण शर्मा रामोतार मंडल अध्यक्ष भाजपा जयबीर पोसवाल आदि कमेटी एवं कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे।

» मनियां.. नेशनल हाईवे से गुजरती गणगौर शोभयात्रा।

» मनियां.. गणगौर शोभयात्रा में उपस्थित भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा व अन्य।

विशाल दंगल आज, लड्डुओं से शुरू होगी कुश्ती

कस्बे में प्रतिवर्ष की भांति ग्राम पंचायत की ओर से हेतराम का अड्डा पर दोपहर 2 बजे से विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव जितेंद्र शर्मा ने बताया कि पहली कुश्ती लड्डुओं से शुरू होकर आखिरी कुश्ती 51 हजार रुपए की होगी। दंगल में करीब 190 कुश्तियां छोटे स्तर से बड़े स्तर की रखी गई हैं। दंगल में बाहरी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, बैंगलोर, हरियाणा आदि से अपने दांव-पेच आजमाने के लिए पहलवान भाग लेगें। मैदान में दर्शक, प्रतियोगी एवं अतिथियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

11 केवी लाइन के तार टूटने पर चपेट में आने से 12 वर्षीय बालक की मौत

परिजन और ग्रामीणों की मदद की मांग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के मठ नोहरा गांव में खेत पर गेहूं की फसल कटाई के दौरान सोमवार की सुबह हादसा हो गया। खेत के ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन का तार टूटने से 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद अचेत बालक को परिजन और ग्रामीण अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ऐसे में कंचनपुर थाना पुलिस ने शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया है। अस्पताल में मौजूद मृतक अमित के मौसी के लड़के बंटू सिंह पुत्र राजवीर ने बताया की कंचनपुर थाना क्षेत्र के मठ नोहरा गांव निवासी पप्पू सिंह जाटव अपने खेत पर गेहूं की फसल की कटाई का काम कर रहा था। जिसमें परिजनों के साथ उसके बच्चे भी शामिल थे। सुबह 10 बजे के करीब अचानक फसल कटाई के दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन का तार टूटने से 12 वर्षीय अमित उसके संपर्क में आ गया। जिसके चलते वह अचेत हो गया। परिजन और ग्रामीण फसल कटाई को छोड़ सीधे बाड़ी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद बाड़ी अस्पताल पहुंची कंचनपुर पुलिस ने मृतक अमित पुत्र पप्पू सिंह जाटव के शव का परिजनों की मौजूदगी में पंचनामें के बाद पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के परिजनों ने घटना को लेकर पुलिस को रिपोर्ट दी है।

» बाड़ी..मृतक बालक अमित।

मृतक अमित की मौसेरे भाई बंटू सिंह ने बताया कि वह कक्षा आठवीं में गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ता था। इस वर्ष ही उसने आठवी बोर्ड की परीक्षा दी है। पप्पू सिंह के दो लड़के हैं। जिनमें से अमित छोटा था। घटना के बाद से मठ नोहरा गांव में शोक छाया है।

मचकुंड दीपों से हुआ रोशन, बृज की रास और चरकुला नृत्य ने बिखेरा सांस्कृतिक रंग

धौलपुर में राजस्थान दिवस का भव्य उत्सव, लोक संस्कृति की बही सुरम्य धारा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन धौलपुर के संयुक्त तत्वावधान में मचकुंड धाम में राजस्थान दिवस का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने न केवल लोक कला की अनुपम छटा बिखेरी, बल्कि दीपदान से पूरा परिसर जगमगा उठा, मानो संस्कृति और परंपरा ने दीपों के माध्यम से अपने अस्तित्व की दिव्यता का संदेश दिया हो।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक लोकगीतों से हुई, जिसमें स्थानीय और प्रख्यात राजस्थानी कलाकारों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बृज की रासलीला ने भक्तिमय वातावरण का संचार किया, वहीं चरकुला नृत्य और मयूर नृत्य ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। फूलों की होली ने उत्सव को और भी रंगीन बना दिया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। दीपदान कार्यक्रम में नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। हजारों दीपों की ज्योतियों से मचकुंड धाम जगमगा उठा, जिससे यह दृश्य किसी स्वर्गीय आभा से कम नहीं लग रहा था।

» धौलपुर..कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देते कलाकार।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी.टी., अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिराम मीना, उपखंड अधिकारी साधना शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा, कवि सम्मेलन ने राष्ट्रीय भावना का संचार करते हुए श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। धौलपुर के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी ओजस्वी और प्रेरणादायक रचनाओं से माहौल को उल्लास से भर दिया।

ट्रांसफार्मर में आई खराबी से कई घरों में दौड़ा करंट, विद्युत उपकरण फुके

बाड़ी। उपखंड के धन्नू का पूरा गांव में सोमवार की सुबह ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी से गांव के एक दर्जन से अधिक घरों में उच्च वोल्टता का विद्युत करंट दौड़ पड़ा। इससे जहां घरों के बिजली उपकरण जल गए वहीं एक युवक बिजली करंट से झुलस गया। झुलसे हुए युवक को बाड़ी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना के बाद डिस्कॉम के कर्मचारी गांव में पहुंचे हैं और बिजली सप्लाई को बंद कराया गया है।

सामान्य अस्पताल में भर्ती दुर्घटना में झुलसे हुई युवक श्याम सिंह पुत्र बच्चू सिंह कश्यप ने बताया कि आज सुबह करीब सात बजे वे अपने घरों पर बैठे हुए थे। इस दौरान अचानक से पास में लगे ट्रांसफार्मर में आग लगी। इस आग लगने की घटना के बाद घरों में उच्च वोल्टेज का विद्युत करंट दौड़ पड़ा। जिससे घरों की बिजली लाइने आग की भेट चढ़ गई। वहीं विद्युत उपकरण खराब हो गए। कई घरों में कूलर,पंखे और अन्य बिजली का सामान खराब होने की शिकायत मिली है। घटना की सूचना पर डिस्काम के कर्मचारी गांव पहुंचे हैं और बिजली सप्लाई को बंद कराया गया है। ग्रामीणों ने डिस्काम से आर्थिक मुआवजा की मांग की है। डिस्काम कर्मचारियों द्वारा अवरुद्ध हुई बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मेंटेनेंस किया जा रहा है।

एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत उद्योगों का अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

धौलपुर। जिले में विनिर्माण से जुड़ी सभी औद्योगिक इकाइयों को राज्य सरकार के बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान 2024 के तहत एक जिला, एक उत्पाद योजना में ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा ओडीओपी योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभों का लाभ उठाने के लिए भी यह पंजीकरण आवश्यक होगा।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत धौलपुर में निवेश उत्सव का भव्य आयोजन

धौलपुर। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सोमवार को नगर परिषद ऑडिटोरियम में निवेश उत्सव दृ राइजिंग राजस्थान इम्पैक्ट 1.0 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निवेश एवं औद्योगिक विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण नीतियों का विमोचन किया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मितुल गोयल प्रमुख उद्यमी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री महोदय ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान टेक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी का विमोचन किया, साथ ही निवेशकों के लिए एमओयू ट्रैकिंग हेतु मोबाइल एप लॉन्च किया गया और राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की शुरुआत की गई। धौलपुर जिला स्तरीय आयोजन में निवेशकों एवं उद्यमियों को राजस्थान सरकार की नई औद्योगिक नीतियों की जानकारी दी गई और राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित उद्यमियों ने औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए और स्थानीय उद्योगों के विस्तार हेतु अपेक्षित सहयोग की बात रखी। कार्यक्रम में व्यापार, उद्योग एवं स्टार्टअप से जुड़े युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।